● जयपुर, शुक्रवार 29 नवंबर 24 ●वर्ष 14 ● अंक 101 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 रोप-वे, ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों के विकास में केन्द्र करेगा...

पेज @4 जिला एवं सेशन न्यायाधीश सतीश चंद ने किया जिला कारागृह निरीक्षण....

पेज @8 जयपुर विकास प्राधिकरण ने करी प्रभावी कानूनी कार्रवाई...

न्यूज अपडेट

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति का शंखनाद, वृंदावन में अंतरराष्ट्रीय धर्म संसद में जुटे साधु संत

मथुरा/एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में अंतरराष्ट्रीय धर्म संसद का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश विदेश के साधु संत शामिल हो रहे हैं। धर्म संसद में श्री कृष्ण जन्मस्थान की जमीन मुक्त कराकर भव्य मंदिर बनाने की रणनीति बनाई जाएगी। धर्म संसद का आयोजन केशव धाम परिसर में स्थित सभागार में किया जा रहा है।

इस अवसर पर साधु संत महामंडलेश्वर धर्माचार्य भागवत आचार्य ने कहा कि अब हिंदुओं को एकजुट होने की आवशयकता है। हिंदुओं की रक्षा के लिए आवशयक कदम उठाए जाएं। धर्म संसद में मौजूद संतों ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर से मुस्लिम पक्ष को अवैध निर्माण खुद हटा लेना चाहिए। इसके अलावा देश में जनसंख्या कानून लागू होना आवशयक है। सनातन बोर्ड की स्थापना होनी चाहिए। श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और श्रीकृष्ण जन्म भूमि विवाद के केस के वादी महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन की रणनीति और अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने वाले दिग्गज व महारथी संत-महात्मा अंतरराष्ट्रीय धर्म संसद में शामिल होने के लिए वृंदावन पहुंच चुके हैं, जिन संतों को राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन की जो रूप रेखा तय की थी, उनकी ही मौजदूगी में श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति और भव्य मंदिर निर्माण की नीति बनाई जाएगी।

पीएम मोदी को मारने की साजिश!, हथियार भी थे तैयार; अलर्ट मोड पर पुलिस

नई दिल्ली/एजेंसी। मुंबई पुलिस के कंट्रोल नंबर पर पीएम मोदी को मारने की साजिश का कॉल आया है। जिसमें पीएम के खिलाफ साजिश की बात कही गई है। इस मामले को लेकर पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया है।

मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन आया था, जिसमें कॉलर ने पीएम मोदी का जिक्र किया था। कॉलर का दावा है कि पीएम मोदी को मारने का प्लान तैयार था और हथियार भी तैयार थे। खबर है कि पुलिस इस मामले में स्न्नढ्ढक्र दर्ज करने जा रही है और कॉलर को ट्रेस कर रही है। इस संबंध में पुलिस ने एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। प्रथम दृष्टया वह पारिवारिक कारणों के चलते परेशान नजर आ रही है।

● **सलमान के लिए मिल चुकी है धमकी**

कुछ दिन पहले ही मुंबई के ट्रैफिक कंट्रोल रूम में सलमान के लिए धमकी भरा मैसेज आया था। ये धमकी रात करीब 12:00 बजे मिली। मैसेज में 'सलमान खान और लॉरेंस बिश्नोई' पर एक गाने का जिक्र किया गया है। एक महीने के अंदर गाना लिखने वाले को मार दिया जाएगा, धमकी देते हुए कहा गया कि गाना लिखने वाले की हालत ऐसी हो जाएगी कि वह अपने नाम से गाना नहीं लिख पाएगा। अगर सलमान में हिम्मत है तो वह उन्हें बचाएं।

झारखंड में अबुआ सरकार का गठन, हेमंत सोरेन ने रचा इतिहास

हेमंत ने सीएम पद की ली शपथ, चौथी बार संभाली राज्य की सत्ता

संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य की स्थापना के 24 साल में 14 मुख्यमंत्री शपथ ले चुके हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन के चौथी बार मुख्यमंत्री पद व गोपनीयता की शपथ लेने के साथ राजनीतिक रिकॉर्ड बन गया। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही हेमंत सोरेन राज्य के 24 वर्ष के इतिहास में अब तक चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले पहले राजनेता बन गए। उनके पिता शिबू सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ चुके हैं।

गुरुवार को मोहराबादी मैदान पर आयोजित शपथग्रहण समारोह में प्रदेश के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार शाम 4.11 बजे हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। हेमंत सोरेन ने राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। यह उनका मुख्यमंत्री के रूप में यह चौथा कार्यकाल होगा। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर मोरहाबादी मैदान पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन की भी एकजुटता दिखी। मोहराबादी मैदान पर शपथ लेने जाने से पहले हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन और मां रूपी सोरेन से आशीर्वाद लिया और उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में साथ ले गए।

झारखंड में चौथी बार मुख्यमंत्री बनने वाले पहले राजनेता बने

झारखंड : 24 साल में बने 14 मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन ने गुरुवार को 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। 24 साल के झारखंड में अब तक 14 मुख्यमंत्री हुए। प्रदेश में 2009-2013 के बीच तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लग चुका है। इसके अलावा शिबू सोरेन सिर्फ 10 दिन के लिए मुख्यमंत्री बने। निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा भी मुख्यमंत्री का पद संभाल चुके हैं।

हेमंत 2013 में पहली बार बने थे मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन पहली बार 13 जुलाई 2013 को मुख्यमंत्री बने थे। वे इस पद पर 28 दिसंबर 2014 तक रहे। दूसरी बार 29 दिसंबर 2019 को मुख्यमंत्री बने। वे इस पद पर दो फरवरी 2024 तक रहे। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री बने, जो दो फरवरी से चार जुलाई 2024 तक मुख्यमंत्री पद पर रहे। चंपाई सोरेन का कार्यकाल 153 दिनों का रहा। इसके बाद जेल से जमानत पर रिहा होने के बादहेमंत ने फिर तीसरी बार 4 जुलाई, 2024 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हेमंत सोरेन ने चौथी बार 28 नवंबर को राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह में इन नेताओं की रही उपस्थिति

शपथ ग्रहण में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और उनकी पत्नी रूपी सोरेन, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री डीके शिवाकुमार, तमिलानडू के पूर्व उप मुख्यमंत्री उदय स्टालिन, मासस के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कपिल सिब्बल, कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, सांसद पप्पू यादव, संजय सिंह, कल्पना सोरेन विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो और गौरव चह्वा सहित कई नेता मौजूद रहे। वहीं चीफ सेक्रेट्री अलका तिवारी और राज्यपाल के प्रधान सचिव नीतिन मदन कुलकर्मी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कौन कितने समय तक रहा मुख्यमंत्री

1. बाबूलाल मरांडी- 15 नवंबर 2000 से 18 मार्च 2003
2. अर्जुन मुंडा- 18 मार्च 2003 से दो मार्च 2005
3. शिबू सोरेन- दो मार्च 2005 से 12 मार्च 2005
4. अर्जुन मुंडा-12 मार्च 2005 से 18 सितंबर 2006
5. मधु कोड़ा- 18 सितंबर 2006 से 28 अगस्त 2008
6. शिबू सोरेन- 28 अगस्त 2008 से 18 जनवरी 2009
7. शिबू सोरेन- 30 दिसंबर 2009 से 31 मई 2010
8. अर्जुन मुंडा- 11 सितंबर 2010 से 18 जनवरी 2013
9. हेमंत सोरेन- 13 जुलाई 2013 से 23 दिसंबर 2014
10. रघुवर दास- 29 दिसंबर 2014 से 28 दिसूंर 2019
11. हेमंत सोरेन- 29 दिसंबर 2019 से 31 जनवरी 2024
12. चंपाई सोरेन- 2 फरवरी 2024 से तीन जुलाई 2024
13. हेमंत सोरेन- 04 जुलाई 2024 से 27 नवंबर, 2024 तक
14. हेमंत सोरेन — 28 नवम्बर, 2024

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पदभार ग्रहण किया

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को शपथ लेने के बाद प्रोजेक्ट भवन पहुंचे और वहां पदभार ग्रहण किया। इस दौरान मुख्य सचिव अलका तिवारी, कैबिनेट सेक्रेट्री वंदना दादेल सहित अन्य आला अफसरों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। साथ ही झारखंड सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के नेतृत्व में सचिवालय कर्मियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन ने चौथी बार रांची के मोरहाबादी मैदान में प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री बने हैं।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, कई जिलों में तापमान 10 डिग्री के नीचे, दक्षिण भारत में तूफान फेंगल मचाएगा तबाही

नई दिल्ली/एजेंसी।

उत्तर भारत में लगातार ठंड बढ़ रही है। कई राज्यों समेत राजस्थान में भी पारा लागतार गिर रहा है। राजस्थान के कई जिलों में तापमान 10 डिग्री के नीचे जा पहुंचा है। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य में कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के अजमेर में पारा 3.1 डिग्री और बाड़मेर में पारा 3.4 डिग्री तक गिर गया है।

जहां एक और उत्तर भारत में ठंड पड़ रही है तो वहीं, दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। दरअसल, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव कुछ घंटों में तूफान फेंगल में तब्दील हो हो सकता है। ये चक्रवात उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए तमिलनाडु के तट पर 30 नवंबर तक पहुंच सकता है।

● **राजस्थान में गिरा पारा**

राजस्थान में कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। राज्य के कई जिलों में पिछले दिनों न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम हो गया है। कुछ स्थानों पर कोहरा

देखने को मिला। मौसम विभाग ने कहा कि आने वाले दिनों में लगभग यही स्थिति देखने को मिलेगी। दिसंबर की शुरुआत में राजस्थान में पारा और गिरेगा, जिससे जबरदस्त ठंड का एहसास होगा। हिल स्टेशन माउंट आबू में पारा लगातार गिर रहा है। यहां पर तापमान 6.8 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, अजमेर में न्यूनतम तापमान 10.2, जयपुर में 14.4, सीकर में 11.5, कोटा में 13.4,भीलवाड़ा में 10.9, अलवर में 11.6 समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब है। तमिलनाडु और पुदुचेरी के तटीय इलाकों में मंगलावर से ही भारी बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण पुदुचरी के स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। इस बात की जानकारी पुदुचेरी के शिक्षामंत्री अरुमुगम नमसिवायम ने दी। वहीं, मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भी तमिलनाडु और पुदुचेरी में तूफान फेंगल का असगर देखने को मिल सकता है। जिस वजह से दोनों जगहों पर भारी से भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, तटीय इलाकों में तेज हवाएं भी चल सकती है। तमिलनाडु के कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, विलुपुरम और कड्डलोर जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

● **उड़ानों पर पड़ा प्रभाव**

तमिलनाडु में बदले मौसम के कारण उड़ाने प्रभावित हो रही हैं। बुधवार को कई विमान देरी से पहुंचे। इस संबंध में एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। कंपनी ने चेन्नई, तुतिकोरिन, मदुरै, तिरूचिरापल्ली के लिए उड़ानों में देर होने की संभावन जताई है।

मानव तस्करी मामले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, 6 राज्यों के 22 ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मानव तस्करी मामले में 6 राज्यों के 22 जगहों पर छापेमारी कर रही है। विदेशी हाथ होने के शक में एनआईए ने इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक 6 राज्यों में यह छापेमारी चल रही है और कई देशों से इसके अंतरराष्ट्रीय तार जुड़े हुए है। 2024 में नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने मामला दर्ज किया था।

साइबर फ्रॉड मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने यह बड़ी कार्रवाई की है। साइबर फ्रॉड के जरिए बिहार गोपालगंज के युवाओं को विदेश में नौकरी देने के नाम पर लुभाया गया फिर जब वो विदेश गए तो उन्हे फर्जी काल सेंटर में बंधक बनाकर साइबर फ्रॉड का काम करवाया गया। वहीं म्यांमार लाओस से इस रैकेट के तार जुड़े होने की आशंका है।

इससे पहले, एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी।

1 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में छापेमारी की गई थी। 1 अक्टूबर को एनआईए की टीम ने दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नदिया और कोलकाता में 11 जगहों पर छापेमारी की थी।

संभल हिंसा पर बड़ा खुलासाः सर्वे के पहले ही दिन हुआ था बवाल, मस्जिद में जबरन घुस गए थे 150 लोग

संभल/एजेंसी। जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर को लेकर चंदौसी सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह के आदेश का अनुपालन करने के लिए बेशक पुलिस और जिला प्रशासन, सर्वे की टीम के साथ था लेकिन मस्जिद के अंदर यह कार्य कर पाना बेहद चुनौती पूर्ण रहा क्योंकि 19 नवंबर को जैसे ही जिला प्रशासन के द्वारा मस्जिद के सदर और अन्य समिति के सदस्यों से सूचना देकर सर्वे करने सहमति ली गई थी तो कुछ चिह्नित लोगों को ही अंदर जाना था लेकिन ऐसा हुआ नहीं और अनाधिकृत लोग भी अंदर घुसे। अत्यधिक भीड़ होने के चलते पहले दिन का कार्य अधूरा छोड×कर उसे स्थगित करना पड़ा। जिसकी वजह से ही 24 नवंबर को फिर से सर्वे करने का समय निर्धारित किया गया था। जानकारी के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि 19 नवंबर को मस्जिद के सदर जफर अली के अलावा इंतजामिया समिति के सदस्यों की उपस्थिति में एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव को अपनी टीम के साथ सर्वे का कार्य करना था। इसके लिए जिला प्रशासन की दोनों पक्षों के साथ बातचीत हुई और निश्चित संख्या में लोगों को अंदर प्रवेश करने दिया गया। डीएम और एसपी के अलावा प्रशासनिक सभी लोगों को बाहर रखा गया और मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया था। समस्या तब उत्पन्न हुई, जब अचानक शहर के कुछ जनप्रतिनिधि और उनके समर्थक लोग आए और मस्जिद का गेट खुलवाकर अंदर घुस गए।

इस दौरान प्रशासन और पुलिस की टीम ने ऐसे लोगों के अंदर जाने का विरोध भी किया लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार किया गया था। इतना ही नहीं एक के बाद एक मस्जिद में 150 से 200 लोग दाखिल हो गए और टीम को अपना सर्वे कार्य करने में दिक्कत आने लगी। लोग सर्वे पर आपत्ति और विरोध की बातें करने लगे, सवाल खड़े करने लगा।

उपलब्धि बंगाल की खाड़ी में 3,500 किमी की मारक क्षमता वाली मिसाइल का परीक्षण कामयाब

नौसेना ने परमाणु मिसाइल के-4 दागकर दिखाई समुद्री ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने नौसेना में शामिल की गई परमाणु पनडुब्बी अरिघाट से परमाणु मिसाइल के-4 दागकर सफल परीक्षण पूरा कर लिया है। पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) का यह परीक्षण विशाखापट्टनम के पास बंगाल की खाड़ी में किया गया। हाल ही में कमीशन की गई आईएनएस अरिघाट से 3,500 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली परमाणु सक्षम मिसाइल के-4 का परीक्षण भारतीय नौसेना की प्रतिरोधक क्षमताओं का महत्वपूर्ण विकास दर्शाता है।

परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट 29 अगस्त को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल की गई थी। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के तेजी से बढ़ते कदमों के बीच परमाणु

मिसाइलों से लैस पनडुब्बी मिलने से नौसेना की समुद्री सामरिक क्षमता मजबूत हुई है। साथ ही भारत को 'पानी के युद्ध' में और अधिक मिसाइलें ले जाने की क्षमता मिल गई है। इसी ताकत को परखने के लिए भारत ने 6,000 टन की पनडुब्बी अरिघाट से अपनी परमाणु सक्षम के-4 पनडुब्बी लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

प्रक्षेपण मील का पत्थर साबित होगा

हालांकि, इस परीक्षण की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन रक्षा सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि विशाखापट्टनम के तट पर बंगाल की खाड़ी में बुधवार को सुबह अभ्यास के हिस्से के रूप में के-4 मिसाइल को लॉन्च किया गया। ठोस ईंधन से संचालित के-4 मिसाइल की मारक क्षमता 3,500 किलोमीटर है। इससे पहले के-4 मिसाइल का परीक्षण केवल सबमर्सिबल पोंटून से ही किया गया था, इसलिए नौसेना में शामिल होने के बाद पूरी तरह से चालू पनडुब्बी से यह प्रक्षेपण भारत की नौसेना क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया है।

आईएनएस अरिघाट की खासियत

आईएनएस अरिघाट भारत के बेड़े में दूसरी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी है, जो देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को काफी मजबूत करती है। यह पनडुब्बी परमाणु-युक्त बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है, जिन्हें नौसेना की भाषा में एसएसबीएन के रूप में जाना जाता है। भारत की पहली परमाणु पनडुब्बी अरिहंत 750 किलोमीटर की रेंज वाली के-15 मिसाइलों से लैस है। इसके विपरीत आईएनएस अरिघाट 3,500 किलोमीटर की स्ट्राइक रेंज वाली अधिक उन्नत के-4 मिसाइलों को ले जा सकती है।

परेशान किसान, असुरक्षित फसलें: जीएम मक्का का भयावह सच

आज भारत अपनी कृषि नीति के एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां हमारे नीति-निर्माताओं पर जीएम मक्का के पैरोकारों द्वारा अलग अलग प्लेटफार्म के जरिये जीएम (जेनेटिकली मॉडिफाइड) मक्का को अपनाने का निरंतर दबाव डाला जा रहा है। जीएम मक्का के पैरोकारों के अनुसार, जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलें अपने देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि चुनौतियों को बेहतर तरीके से हल कर सकती हैं। सतही तौर पर यह आकर्षक लग सकता है लेकिन गहराई से आकलन किया जाए तो ये तस्वीर उतनी लुभावनी नहीं है जैसी दिख रही है।

पूरे विश्व में वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जीएम मक्के के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कल, मुझे चौंकाने वाली खबर पढ़ने को मिली, जिसमें बताया गया था कि ''जीएम फ्री इंडिया '' नामक संस्था के पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु में जीएम मक्का की अवैध खेती और देशभर में ₹प्रोसेस्ड और अनप्रोसेस्ड₹ मक्का उत्पादों में इसकी मौजूदगी को लेकर चिंता जताई है। उनका यह दावा 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड्स टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट' द्वारा की गई रिसर्च पर आधारित है। ₹साइंस डायरेक्टर₹ नामक प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में और कृषि आधारित विधियों का उपयोग कर मक्के में जीएम मक्का के अंश का पता लगाया गया। शोध में यह पाया गया कि उनके द्वारा परीक्षण किए गए 15% से अधिक नमूनों में तकनीकों के माध्यम से जीएम लक्षण पाए गए। और तो और, उनमें से लगभग 20% नमूनों में जीएम मक्का के समान कार्यात्मक विशेषताएं मौजूद थीं। भारत में जीएम फसलों पर सख्त नियामक प्रतिबंधों के बावजूद, ऐसी खबरें ये दर्शाती हैं कि भारत में भी चोरी-छिपे जीएम फसलों का धड़ल्ले से प्रवेश हो रहा है। अब इसका कारण चाहे अवैध रूप से जीएम मक्के का आयात हो या प्रयोगात्मक परीक्षणों में लीक हो, दोनों सूरतों में जीएम मक्के का भारत के बाजार में ऐसे प्रवेश एक जबरदस्त खतरे की घंटी है। कई पर्यावरण कार्यकर्ताओं और ₹जीएम फ्री इंडिया₹ जैसे संगठनों ने इस विषय पर गंभीर चिंता व्यक्त की है तथा इसे हमारे देश के लिए एक गंभीर नियामक चूक बताया है।

समझना पड़ेगा कि यह सिर्फ नियम तोड़ने का ही मामला नहीं है; बल्कि यह हमारे नागरिकों के स्वास्थ्य, किसानों के भविष्य, और हमारी पारिस्थितिकी और भूमि की उर्वरता के लिए एक खिलवाड़ जैसा है जिसका खामियाजा हमारी कई पीढ़ियों को भुगतना पड़ सकता है। इसके अलावा, जीएम मक्का की शुरुआत भारत की विविध स्वदेशी मक्का किस्मों के लिए खतरे का कारण बनती है, जिससे परागण और आनुवंशिक संदूषण का जोखिम उत्पन्न होता है। इससे आनुवंशिक विविधता में कमी आएगी, जिससे फसलें जलवायु परिवर्तन और बीमारियों के प्रति कम लचीली होंगी। इस घटनाक्रम में सबके लिए एक सीख है और अब ये जरूरत है कि भारत की कृषि विरासत और खाद्य प्रणालियों की रक्षा के लिए जीएम मक्का के खिलाफ विज्ञान-आधारित नीतियों को और प्रभावी बनाये जिससे भविष्य में इस तरह की स्थिति ना पैदा हो। भारत कृषि प्रधान देश है जहाँ कृषि अधिकांशतः छोटे और सीमांत किसानों पर निर्भर है। हमारे देश में मक्के की ऐसी कई देशज किस्में उपजाई जाती हैं, जिसके लिए परंपरागत तरीके का उपयोग करते हैं और उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर निर्भर नहीं रहना होता। कई पर्यावरणविद् ऐसी आशंका जता रहे हैं कि जीएम मक्के के आने यह संतुलन बिगड़ जाएगा, क्योंकि जीएम फसलें विदेशी कंपनियों द्वारा पेटेंट की गए बीजों पर निर्भर हैं।

अगर किसान जीएम मक्का उपजाने लगे तो उन्हें को हर साल इन्हीं गिनी चुनी कंपनियों से महंगे बीज खरीदने के मजबूर होना पड़ेगा जिससे उनकी कृषि लागत बढ़ने के साथ-साथ उनकी इन कंपनियों पर निर्भरता भी बढ़ेगी। जो किसान मक्का की उपज को अपनी आर्थिक उन्नति का जरिया समझ रहें हैं वो बेचारे ऐसी स्थिति में कहाँ जायेंगे, ये सोचनीय विषय है। जीएम मक्का के गुणों की बात की जाए तो इसे जेनेटिक रूप से ऐसे संशोधित किया जाता है जो इन्हें कीटनाशकों और हर्बिसाइड्स, जैसे ग्लाइफोसेट, के प्रति सहिष्णु बनाता है। हालांकि इन तकनीकों से कीट और खरपतवार नियंत्रण का दावा तो किया जाता है, लेकिन इससे स्वास्थ्य सम्बन्धी रोगों और पर्यावरणीय जोखिम की संभावना बढ़ जाती है। कई अध्ययनों ने जीएम फसलों को एलर्जी, पर्यावरणीय असंतुलन और कैंसर जैसी बीमारियों से जोड़ा है। ग्लाइफोसेट का उपयोग माइक्रोबियल प्रतिरोध और विषाक्तता को बढ़ा सकता है। अतः हानिकारक कीटों के साथ साथ इससे मधुमक्खियों जैसे लाभकारी कीट भी प्रभावित होते हैं, जिससे पारिस्थितिकी और जैव विविधता में असंतुलन पैदा हो सकता है। भारत में बीटी कपास के उत्पादन के कड़वे अनुभव से ये साबित हो गया है कि ये फसलें अक्सर अपने अनुमान के मुताबिक पैदावार नहीं बढ़ा पातीं और किसानों को आर्थिक परेशानियों में डाल देती हैं। आज के समय में वैश्विक स्तर पर, खासकर यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में उपभोक्ताओं द्वारा जीएम-मुक्त खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ रही है। कई देश पुख्ता सबूतों के साथ ऐसा दावा करते हैं कि गैर-जीएम कृषि को प्राथमिकता देना न केवल व्यावहारिक कदम है, बल्कि यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और आर्थिक उत्थान के लिए भी फायदेमंद है। उदाहरण के तौर पर यूरोपीय संघ (एव) में, कुल मक्का उत्पादन का 99% से अधिक हिस्सा जीएम-मुक्त मक्के का है। ये जीएम फसलों को अपने देश में सख्त नियामक प्रणाली से नियंत्रित करते हैं। एक डाटा के अनुसार सन 2023 में यूरोपीय संघ में लगभग 61.4 मिलियन टन जीएम-रहित मक्का उत्पादन हुआ। इसी तरह, ब्राजील ने जीएम-रहित मक्का और सोयाबीन के निर्यात-बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की है। अगर इन देशों ने बिना जीएम बीजों को अपनाये हुए मक्के की उपज बढ़ा सकते हैं तो भारत क्यों नहीं। जीएम मक्का को अपनाना इन उपभोक्ताओं को निराश और मक्के के उपयोग से दूर कर सकता है, जो भारत की सतत कृषि की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

कई पर्यावरणविदों और कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को खाद्य सुरक्षा के लिए जीएम मक्का की आवश्यकता कतई नहीं है। आधुनिक प्रजनन तकनीकें मक्के के सुरक्षित और प्रभावी विकल्प प्रदान करती हैं। बिना किसी खतरे के उच्च उत्पादन, कीट प्रतिरोधी और सूखा-सहिष्णु मक्के की फसलें विकसित करने के लिए लम्बे समय से इन विधियों का उपयोग किया जाता रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान संस्थानों को ऐसी टिकाऊ फसलें विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए, जो भारत की कृषि स्थितियों के लिए उपयुक्त हों। इसके साथ ही, जीएम फसलों की अवैध खेती और आयात को रोकने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र की आवश्यकता है। नियमित परीक्षण, सख्त जैव-सुरक्षा प्रवर्तन और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे इस तरह की स्थिति पुनः पैदा ना हो। तमिलनाडु में जीएम मक्का की अवैध खेती, हमारी सरकार, हमारे किसान और उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चेतावनी है। अतः भारत को अपनी कृषि नीति में सतत और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने चाहिए।

बाल विवाह मुक्ति बेटियों को खुला आसमान देगा

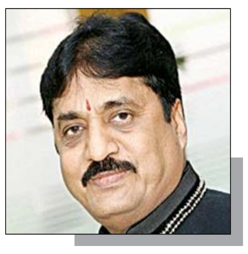

ललित गर्ग

देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं? हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आ''ान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नये भारत-सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यो, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केन्द्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला आसमान देने में सक्षम होगा।

यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। यह बचपन की मासूमियत छीनने वाली 'बालविवाह' की बेड़ियों को तोड़ते हुए जागृति का एक शंखनाद किया है, एक समाज-क्रांति के बीज को रोपा गया है। सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। इसीलिये

बाल-विवाह पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी है कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मो के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह को रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस जागृति-अभियान की अपेक्षा है। अब सरकार ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिये कमर कसी है, तो उसका स्वागत होना चाहिए एवं इस अभियान को व्यापक रूप देना चाहिए। बाल विवाह की कुरीति को देश में व्यापकता से देखने को मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे खराब स्वरूप है। ठोस प्रयासों के बावजूद आज भी लगभग पांच में से एक लड़की का विवाह विधि सम्मत आयु 18 वर्ष से पहले कर दिया जाता है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही हैं, पर मंजिल अभी दूर है। बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, असम और आंध्रप्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले हैं, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं, पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती हैं तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' की भविष्य दृष्टि से प्रेरित नये समाज की संरचना का दूरगामी प्रकल्प है। बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है। इन सब दृष्टियों से यह अभियान सदियों से चली आ रही इस त्रासद परम्परा से मुक्ति का माध्यम बनेगा। पढ़ी-लिखी लड़की अगर विवाह-योग्य उम्र से ब्याही जाए, तो वह परिवार और समाज के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। कम उम्र में विवाह से न केवल संतानों की गुणवत्ता बल्कि परिवार की आर्थिक, सामाजिक और मनावैज्ञानिक क्षमता पर भी असर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नए अभियान के अन्तर्गत इस परम्परागत विसंगति एवं विडम्बना को दूर करने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जायेंगे। प्रारंभिक कार्ययोजना के अन्तर्गत बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया है। इस पोर्टल के जरिये बाल विवाह के विरोध में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, बाल विवाह की शिकायत भी यहां दर्ज कराई जा सकती है एवं कार्य प्रगति की निगरानी भी की जाएगी। इस पोर्टल को सही ढंग से चलाया गया, गांवों और पंचायतों से जोड़ लिया गया, तो इसके सकारात्मक परिणाम आ सकते है। बाल विवाह मुक्त अभियान देश भर में युवा लड़कियों के सशक्तिकरण के सरकार के प्रयासों का प्रमाण है। यह प्रगतिशील और समतापूर्ण समाज सुनिश्चित कर हर बच्चे की क्षमता को पूर्णता से साकार करेगा। इस अभियान का संदेश 25 करोड़ नागरिकों तक पहुंचने की उम्मीद है। यह निर्विवाद है कि देश को विकसित बनाने के लिए महिलाओं की पूरी शक्ति का उपयोग जरूरी है और महिला शक्ति बढ़ाने के लिए बाल विवाह को रोकना ही होगा। आज सामाजिक सोच एवं ढांचे में परिवर्तन लाने की शुरुआत हो गयी है, इसमें सृजनशील सामाजिक संस्थाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण होगा। आवश्यकता है वे अपने सम्पूर्ण दायित्व के साथ आगे आये। अंधेरे को कोसने से बेहतर है, हम एक मोमबत्ती जलाएं।

लोकतंत्र और इस्लामी मूल्यों के खिलाफ है वैश्विक खिलाफत की अवधारणा

गौतम चौधरी

वैश्विक खिलाफत की काल्पनिक अवधारणा उसी प्रकार गैर वाजिब है, जैसे पुरातनपंथी हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा। यह दोनों अवधारणा काल्पनिक है और आधुनिक लोकतांत्रिक विश्व में इसका कोई स्थान नहीं है। दरअसल, आज इस बात की चर्चा इसलिए जरूरी है कि दुनिया के कुछ इस्लामिक चरमपंथियों ने एक बार फिर वैश्विक खिलाफत की बात प्रारंभ की है। विगत कुछ वर्षो में भारत सहित दक्षिण एशिया के कई देशों में इस विचार से प्रेरित युवकों को असामाजिक व गैर राष्ट्रवादी गतिविधियों में संलिप्त देखा गया। हाल के वर्षों में हिज्ब उत-तहरीर की गतिविधियों को लेकर भारत में चिंता बढ़ी है।

पहले तो हमें हिज्ब उत-तहरीर को समझना होगा। यह एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामिक संगठन है, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत को पुनर्स्थापित करना है। इसका नाम अरबी में ''हिज्ब-उत-तहरीर'' है, जिसका अर्थ है- ''मुक्ति की पार्टी।'' वर्ष 1953 में एक फिलिस्तीनी इस्लामिक चरमपंथी उकीउद्दीन नबहानी ने जेरूसलम में इसकी स्थापना की थी। हिज्ब-उत-तहरीर का दावा है कि वह राजनीतिक, बौद्धिक और वैचारिक तरीकों से काम करता है और हिंसा में कोई विश्वास नहीं करता लेकिन इसके कार्यकर्ता दुनिया के लगभग 50 देशों में हिंसक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। यहां तक कि कई इस्लामिक देशों में भी यह संगठन वहां की सत्ता के लिए चुनौती बना हुआ है। संगठन का मानना है कि मुसलमानों को एक खलीफा के नेतृत्व में एकजुट होना चाहिए, जो शरियत कानून के अनुसार शासन करे। इसका मुख्य उद्देश्य एक वैश्विक इस्लामी खिलाफत की स्थापना है, जो मुसलमानों की राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार नियंत्रित करे।

वस्तुतः इस संगठन का दावा और हकीकत दोनों एक-दूसरे के विपरीत हैं। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के मुताबिक, ये संगठन गैर-सैन्य तरीकों से खिलाफत की पुनर्स्थापना पर काम करता है। इसलिए कई देश, इस संगठन पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। हिज्ब-उत-तहरीर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों में बांग्लादेश और चीन के अलावा जर्मनी, रूस, इंडोनेशिया, लेबनान, यमन, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। दुनिया के अन्य कई देश इस संगठन की निगरानी कर रहे हैं क्योंकि वहां की राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी यह चुनौती पैदा करने लगा है। इसके बावजूद, यह संगठन दुनिया के 50 से अधिक देशों में सक्रिय है। 10 लाख से अधिक इसके सक्रिय सदस्यों की संख्या बतायी जाती है। हिज्ब-उत-तहरीर का भारत में बहुत व्यापक आधार नहीं है लेकिन हाल के वर्षों में इसके प्रभाव और गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है।

हिज्ब-उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य इस्लामिक खिलाफत स्थापित करना है, जो भारत के संविधान और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। हिज्ब-उत-तहरीर ने भारत में बहुत अधिक खुले तौर पर गतिविधियां नहीं की हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह गुप्त रूप से भारत में सक्रिय है। संगठन के सदस्यों पर भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और खिलाफत की विचारधारा का आरोप लगा है। भारत में सुरक्षा एजेंसियां इस संगठन पर नजर रखी है और इसके संभावित नेटवर्क को रोकने के प्रयास करती है। इस क्रम में भारत सरकार ने हाल ही में इस कट्टरपंथी समूह को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसपर प्रतिबंध के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर का लक्ष्य लोकतांत्रिक सरकार को जिहाद के माध्यम से हटाकर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक देश और खिलाफत स्थापित करना है। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियां सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर हिज्ब-उत-तहरीर को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के साथ, यह समझना महत्वपूर्ण है कि न केवल इसकी गतिविधियां भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, बल्कि यह मूल इस्लामिक सिद्धांतों के खिलाफ भी है। इससे भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए दोहरी दुविधा पैदा होती है। भारत का संविधान धर्म और राज्य के मामलों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखते हुए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को सुनिश्चित करता है। यह अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतंत्र, मतदान और मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करता है। हिज्ब-उत-तहरीर के सदस्यों की हरकतें, जिनमें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी के खिलाफ प्रचार करना, संविधान को चुनौती देना और शरिया कानून द्वारा शासित वैकल्पिक राज्यों को बढ़ावा देना शामिल है, जो अंततोगत्वा देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरे में डालेगा। लोकतंत्र के प्रति हिज्ब-उत-तहरीर का वैचारिक विरोध खुद को उन मूल सिद्धांतों के खिलाफ खड़ा करता है, जिन्होंने मुसलमानों सहित विभिन्न समुदायों को भारत में शांतिपूर्वक सहअस्तित्व की अनुमति दी है। संविधान विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देकर संगठन न केवल मुसलमानों और बहुसंख्यक समाज के बीच दरार पैदा करता है, बल्कि अलगाववादी रवैये को भी बढ़ावा देता है, जो इस्लाम के सामाजिक सामंजस्य सिद्धांत के खिलाफ है। इस्लामिक शिक्षाओं का भी खंडन करती है। इस्लामिक चिंतकों के अनुसार, इस्लाम एक आस्था के तौर पर अराजकता से बचने को महत्व देता है। इस्लामिक राजनीतिक विचार में एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि किसी भी वैध इस्लामिक शासन को एक वैध प्रक्रिया के माध्यम से बदला जा सकता है, विशेष रूप से व्यापक सामुदायिक समर्थन वाले मुस्लिम शासक के नेतृत्व में ही यह संभव है। अराजकता के माध्यम से शासन बदला जाना इस्लामिक राजनीतिक सिद्धांत के खिलाफ है। इस्लाम के पवित्र ग्रंथ में इसके बारे में साफ चेतावनी दी गयी है। साफ तौर पर कहा गया है कि इस्लामी राज्य के लिए अनाधिकृत आह्वान के जरिए फूट को बढ़ावा देने के बजाए स्थापित प्राधिकरण के जरिए एकता और न्याय को बनाए रखना ही बेहतर है।

वास्तव में दुनियाभर के इस्लामी विद्वानों ने नेतृत्वहीन आन्दोलन के खिलाफ चेतावनी दी है जो अशांति भड़का कर व्यवस्था बदलने की कोशिश करते हैं। हिज्ब-उत-तहरीर की तरह ये आन्दोलन न केवल समुदाय के हितों को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि सामाजिक शांति और सद्भाव प्राप्त करने के व्यापक इस्लामिक उद्देश्य के भी विपरीत हैं। हिज्ब-उत-तहरीर की वकालत के सबसे चिंताजनक पहलुओं में से एक मुस्लिम युवाओं पर इसका प्रभाव है, जो अक्सर अपने कार्यों के परिणामों को पूरी तरह से समझे बिना काल्पनिक इस्लामिक राज्य के वादे से बहक जाते हैं। हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा से प्रभावित कई युवा मुस्लिम ऐसी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं, जो भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार किया जाता है और लंबे समय तक जेलों में रहना पड़ता है। ये युवा, समाज के योगदानकर्ता सदस्य बनने के बजाय घोषित अपराधी बन जाते हैं। इस्लामी शासन के तहत बेहतर जीवन के हिज्ब-उत-तहरीर के वादे खोखले हैं, क्योंकि वे युवाओं को ऐसे रास्तों पर धकेलते हैं, जो उन्हें अपराधी बना देता है।

मुस्लिम युवाओं को एहसास कराने की जरूरत है कि इस्लाम सामाजिक शांति को बाधित करने वाले कार्यों की वकालत नहीं करता है और हिंसक विरोध या संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने का आह्वान उन्हें गुमराह कर रहा है। मौजूदा लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर सामाजिक आर्थिक विकास, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी की ज्यादा जरूरत है, बजाए इसके कि एक अप्राप्य और विभाजनकारी लक्ष्य के लिए फालतू का प्रयास किया जाएं, जो भारतीय कानून और इस्लामी सिद्धांतों दोनों के विपरीत हैं। इस मामले में यह जरूरी है कि मुस्लिम विद्वान, नेता और सामुदायिक संगठन हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों द्वारा बताए गए आख्यानों का खंडन करे, जो न केवल अवैध हैं बल्कि धार्मिक रूप से भी गलत हैं। इस्लामिक शिक्षाएं मुसलमानों को अपने समाज में न्यायपूर्ण और सक्रिय भागीदार बनने, कानून के दायरे में अच्छाई को बढ़ावा देने और नुकसान को रोकने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

चिंता जनक हैं बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रही हिंसा!

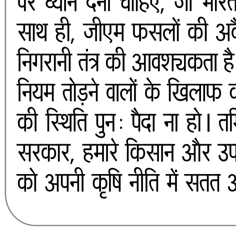

मनोज कुमार अग्रवाल

बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोगों ने अल्पसंख्यक हिंदुओं का जीवन मुहाल कर दिया है हिन्दू समुदाय के लोगों पर हमला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली बांग्लादेश सरकार में हिन्दुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद भी चरमपंथी रुकने को तैयार नहीं हैं। इसी क्रम में एक बार फिर से एक और मंदिर पर हमला किया गया है। ताजा मामला बांग्लादेश में हिंदूओं पर अत्याचार के बीच मंगलवार (26 नवंबर) को चटगांव के तीन हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया. जिसके बाद बांग्लादेश में जारी झड़प ने हिंसक रूप ले लिया. उल्लेखनीय है कि जिन तीन मंदिरों को निशाना बनाया गया है उनमें चटगांव के फिरंगी बाजार में लोकनाथ मंदिर, मनसा माता मंदिर और हजारी लेन में काली माता मंदिर शामिल है. बता दें कि ये घटना बांग्लादेश में हिंदूओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का भाग है, जो कि 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से अत्यंत खतरनाक स्तर तक बढ़ गई है। हिंदू समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुए जब हिंदूओं ने इस्लामिक कट्टरपंथियों की ओर से किए गए संगठित हमलों के जवाब में बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन शुरू किए गए. यह विरोध प्रदर्शन धार्मिक और सामाजिक संगठन इस्कॉन की ओर से आयोजित किए गए थे, जिसके अनुयायी दुनिया भर में फैले हुए हैं. इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सोमवार (25 नवंबर) को ढाका हवाई अड्डे पर प्रमुख हिंदू नेता और इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को हिरासत में ले लिया।

भारत सरकार ने हिंदू धार्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दासब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने के मामले पर गहरा रोष जताया। साथ ही पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के नहीं थमने का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया है। भारत ने बांग्लादेश सरकार से आ''ान किया है कि वह हिंदुओं समेत हर तरह के धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। भारत सरकार पिछले दो महीनों के दौरान कई बार ऐसे आग्रह कर चुकी है, लेकिन जब से शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किया गया है तब से हिंदुओं के उत्पीड़न का मामला बढ़ता जा रहा है। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद युनूस

इस बारे में उल्टा भारत पर ही आरोप लगाते रहे हैं कि हिंदुओं पर हमले के मुद्दे को भारतीय मीडिया बढ़ा-चढ़ा कर बता रहा है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उनको जमानत नहीं दिए जाने के घटनाक्रम को लेकर हमें गहरी चिंता है। यह घटना हिंदुओं व दूसरे अल्पसंख्यकों पर हुए कई हमलों के बाद सामने आई है। अल्पसंख्यकों के घरों और उनके कारोबार को तबाह करने, लूटने, मंदिरों में मूर्तियों को खंडित करने आदि घटनाओं के ठोस साक्ष्य हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में राजधानी ढाका और चटगांव समेत कई जगहों पर लोग सडकों पर उतरे और उनकी रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाई और आंसू गैस के गोले दागे गए। एक वकील की मौत भी हो गई। एक अदालत ने चिन्मय को जमानत देने से इन्कार कर दिया। उनको देशद्रोह के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई, एकता परिषद ने बताया कि हिंदुओं के साथ- साथ ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ हत्या, छेड़छाड़ और अपहरण समेत हमलों की 2010 घटनाएं हुई हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के खिलाफ प. बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी भाजपा विधायकों ने चिन्मय दास की तस्वीर वाली तख्तियां लेकर विधानसभा परिसर से विरोध मार्च निकाला और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए मुख्य गेट के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी की। इस दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी की निंदा की और उन्हें बिना शर्त शीघ्र रिहा करने की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार को पेट्रापोल सीमा के जरिए सभी तरह के व्यापार और आवाजाही को ठप करने की कड़ी चेतावनी दी। बांग्लादेश में आये राजनीतिक बदलाव के कारण वहां के हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन से वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है और वर्तमान सरकार की विदेशी नीति में आये परिवर्तन के कारण सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से बांग्लादेश के पाकिस्तान के साथ काफी अच्छे संबंध हो गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं और भारत विरुद्ध जो हो रहा है या कहा जा रहा है उसके पीछे पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान के पीछे चीन है। उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए भारत को अपनी विदेश नीति के साथ-साथ अपनी आर्थिक व राजनीतिक नीतियों पर भी समयनुसार परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश तीनों देश भारतीय सीमाओं पर और भारत के भीतर भी समस्याएं बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। भारत को अति सतर्क होकर चलने की आवश्यकता है। तत्काल रूप से तो बांग्लादेशी हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना ही भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। बांग्लादेश की सरकार के साथ संपर्क कर अपना रोष प्रकट करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचारों को उठानाचाहिए। वर्तमान परिस्थितियों को सम्मुख रखते हुए भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा चीन के साथ संबंधों को लेकर भी पुनः विचार करने की आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

धौलपुर रेलवे स्टेशन पर एनडीआरएफ और रेलवे का संयुक्त मॉक ड्रिल संपन्न

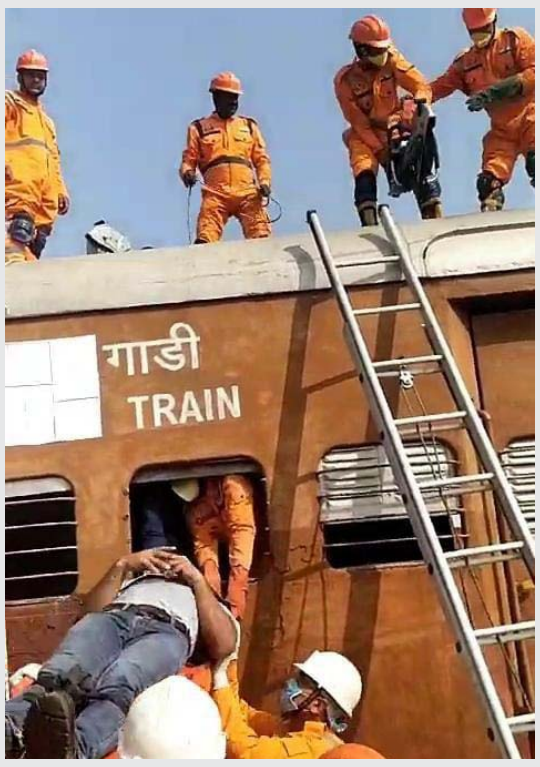

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर में आगरा मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा मंडल रेल प्रबंधक/आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के निर्देशन में 28 नवंबर 24 को धौलपुर स्टेशन पर रेलवे और एनडीआरएफ की टीम द्वारा एक मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया, जिसे एनडीआरएफ ने ''महादेव एक्सरसाइज'' नाम दिया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य रेल संचालन के दौरान किसी प्राकृतिक आपदा या मानवीय भूल से होने वाली दुर्घटना में त्वरित और प्रभावी राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित करना था। इसमें रेल और सिविल कर्मचारियों की कार्यकुशलता और समयबद्धता का परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान, 28 नवंबर 24 को सुबह 11:40 बजे धौलपुर स्टेशन पर एक सवारी गाड़ी के कोच का अवपथन हुआ, जिसके बाद स्पार्किंग के कारण आग लग गई। इस घटना की सूचना स्टेशन मास्टर/धौलपुर और गाड़ी के ट्रेन मैनेजर द्वारा आगरा कंट्रोल को दी गई। इसके बाद, रेलवे के अधिकारियों के साथ - साथ मेडिकल विभाग, राजकीय चिकित्सालय, अग्निशामक विभाग, सिविल पुलिस, प्रशासन, एनडीआरएफ और सिविल डिफेंस को तुरंत सूचित किया गया, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और इलाज सुनिश्चित किया जा सके। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी व कर्मचारी घटना स्थल की ओर रवाना हुए और अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। सिविल प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा सेवाएं, अग्निशमन दल, एनडीआरएफ और अन्य संबंधित टीमों ने सक्रियता से काम किया और घटना की गंभीरता को कम करते हुए रेल संचालन को शीघ्र सामान्य किया। आंशिक रूप से घायल यात्रियों को त्वरित उपचार प्रदान कर उन्हें घर भेज दिया गया। मॉक ड्रिल में धौलपुर से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उप मुख्य संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सिविल प्रशासन से एसडीएम, एडीएम, एसओ भी मौजूद रहे, जबकि एनडीआरएफ के कमांडेंट योगेश कुमार मीना भी उपस्थित थे। आगरा मंडल के कंट्रोल कार्यालय में मंडल के अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। इस मॉक ड्रिल ने राहत व बचाव कार्यों की समयबद्धता और कार्यकुशलता को परखा, जिससे भविष्य में किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी तरीके से निपटने का आत्मविश्वास बढ़ा है।

शहर कांग्रेस का दीपावली स्नेह मिलन आज

चमकता राजस्थान। जयपुर। प्रदेश में काफी समय बाद फिर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्नेह मिलन हो रहा है इसमें जयपुर शहर अध्यक्ष ने पहल करते हुए जयपुर शहर के कार्यकर्ताओं का दीपावली स्नेह मिलन समारोह, शुक्रवार दिनांक 29 नवंबर को दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे तक दीपावली स्नेह मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन और शाम 5:00 से 9:00 तक अन्नकूट प्रसादीकार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम में जयपुर शहर के समस्त प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशी, मंडल अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, चारों अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी सहित सभी प्रमुख कांग्रेस जनों की उपस्थिति रहेंगे ।प्रदेश कांग्रेस कार्यालय इंदिरा गांधी भवन के बाहर संसार चंद्र रोड परअन्नकूट परसादी ग्रहण करेंगे ।

रोप-वे, ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों के विकास में केन्द्र करेगा सहयोग : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से की मुलाकात

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर उन्हे राजस्थान में राजमार्गों के विकास के लिए उनके द्वारा दिये गये निरन्तर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। पिछले दस साल में केन्द्र सरकार ने राजस्थान में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए लगभग एक लाख करोड़ के कार्यों को स्वीकृत किया है।

दिया कुमारी ने उन्हे आश्वस्त किया कि राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए स्वीकृत की गई विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने राजस्थान को सेन्ट्रल रोड तथा इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - सीआरआईएफ से ज्यादा सड़कें स्वीकृत करने की भी मांग की।

राजस्थान से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों का ज़िक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से माँग की कि बृज-चौरासी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर विकसित किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार की 'पर्वतमाला योजना' के अन्तर्गत राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा धार्मिक और पर्यटन महत्व के स्थानों पर रोपवे के निर्माण की स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा जारी करने की मांग की।

उन्होंने राज्य में बनने वाले 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण की स्वीकृति भी केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी किये जाने का अनुरोध किया। दिया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में बनने वाले नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे में से जयपुर-किशनगढ़-जोधपुर प्रोजेक्ट की डीपीआर एनएचएआई को भिजवा दी गयी है तथा बाकी आठ एक्सप्रेस-वे का कार्य की स्वीकृति के लिए भी केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से अनुरोध किया गया है। गडकरी ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को कहा कि राजस्थान में राजमार्ग के विकास के लिए 8322 करोड़ रुपये का प्लान है तथा जरुरत पड़ने पर अतिरिक्त कार्यों की भी स्वीकृति प्रदान की जायेगी। उन्होने दिल्ली-जयपुर-किशनगढ़ मार्ग पर कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए भी ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात के दौरान बड़ौदामेव-कुम्हेर-नदबई-भरतपुर हाईवे, मथुरा से नदबई होते हुए जयपुर-आगरा रोड से जोड़ने के लिए लिंक हाईवे, दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे से बांदीकुई में प्रवेश तथा निकास के लिए कनेक्टिविटी सर्वे, जयपुर-किशनगढ़ परियोजना तथा जयपुर-रींगस मार्ग पर ब्लैक स्पॉट सर्वे, जयपुर, उदयपुर तथा अजमेर में रिंग रोड़ के निर्माण, जोधपुर में फ़ोर-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण को शीघ्र पूरा करने तथा भरतपुर के सारस चौराहे, घना, सेवर मोड और शीशम तिराहे पर फ्लाईओवर निर्माण तथा मेडिकल कॉलेज, टेक्नोलॉजी पार्क तथा बरसो के पास अंडरपास और सर्विस रोड आदि मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की।

दिया कुमारी ने भरोसा जताया कि जिस तरह से केन्द्र सरकार ने राजस्थान में हाईवे निर्माण के लिए पिछले दस सालों में भरपूर मदद की है, उसी प्रकार राजस्थान की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में भी आधारभूत ढाँचे के विकास के नये आयाम स्थापित होगें।

सरमथुरा उपखंड के सुनकई के भमाये पुल पर गड्ढा, बढ़ रही दुर्घटनाओं की आशंका

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास स्थान । बाड़ी से करौली तक नेशनल हाईवे 11इ पर यात्रा करते समय यात्रियों को दो बार टोल टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। जबकि बेहतर सुविधा देने का सरकार का दावा झूठा साबित हो रहा है। सुनकई गांव के पास भमाये पर बने पुल में पिछले कई दिनों से एक बड़ा गड्ढा बना हुआ है, जिस पर प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इस गड्ढे में लोहे के सरिया के टुकड़े निकल आए हैं, जिससे वाहनों के टायर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और वाहन टूटने के साथ राहगीरों को भी झटका लग रहा है। इस समस्या को बार-बार उठाए जाने के बावजूद प्रशासन ने इसे नजरअंदाज किया है। इसके अलावा, धौलपुर से करौली तक इस हाईवे पर 55,000 पेड़ लगाने का कार्य भी अटका पड़ा है, जिसका जिम्मेदार वन विभाग है, लेकिन यह काम अभी तक पूरा नहीं हो सका। सड़क के बीच में रोड डिवाइडर पर भी कोई प्लांटेशन नहीं की गई है, जिससे यह सड़क और भी खतरनाक हो गई है।

सड़क पर दोनों तरफ शोल्डर पेवमेंट नहीं बनाए गए हैं। और आवश्यक रिफ्लेक्टर व इंडिकेटर भी नहीं लगाए गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कई मोड़ों पर झाड़ियां खड़ी हैं, जो वाहन चालकों की दृश्यता में रुकावट डालती हैं, और दुर्घटनाओं के खतरे को बढ़ाती हैं। इसके अलावा, इस सड़क के किनारे गांवों के पास सेफ्टी ग्रिल नहीं लगे हैं और न ही गांव के नाम के बोर्ड लगाए गए हैं।

यहां तक कि बस स्टैंड भी गांवों से दूर बनाए गए हैं, और इन स्टैंड्स पर बैठने के लिए छांव या किसी भी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस सड़क पर दोनों टोल स्टेशनों के बीच की दूरी 60 किलोमीटर से कम है, जो नियमों के खिलाफ है, और एक टोल को हटाने की आवश्यकता है। इस तरह की समस्याओं के बावजूद, स्थानीय प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

श्रीनगर भाषा शिक्षक करेंगे कक्षा एक और दो की नीव मजबूत

बच्चों को सिखाएंगे हिंदी भाषा समझ के साथ पढ़ना लिखना

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक /श्रीनगर।

पंचायत समिति क्षेत्र के सरकारी स्कूल के प्राथमिक शिक्षक को हिन्दी भाषा को कक्षा कक्ष में रोचक तरीके से पढ़ाएंगे। शिक्षकों को भाषा शिक्षण में प्रशिक्षण देने का जिम्मा ऑर्गेनाइजेशन आफ अर्ली लिटरेसी ने उठाया है ।बुधवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मे भाषा विषय के शिक्षण को लेकर प्राथमिक विद्यालय के 38 शिक्षकों को हिंदी भाषा शिक्षण के गुर सिखाए गए। मौके पर मौजूद मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर राकेश कटारा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक कक्षा में आनंददाई सीखने की परिस्थितियां बनाएं । विद्यार्थियों को सीखाने में आने वाली कठिनाइयों को पहचान कर उन्हें दूर करें। कक्षा मे शिक्षण सहायक सामग्री की मदद ले। शिक्षक अभिव्यक्ति के गुर सीखे।

गर्ल्स स्कूल की प्रिंसिपल रिंकू सिंह ने कहा कि कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में नीव मजबूत करने के लिए रोचक गतिविधियों को सीखकर उनका प्रयोग कक्षा में बच्चों के साथ करना है। शिक्षकों को भाषा शिक्षण के लिए दिए गए किट का उपयोग शिक्षण को आनंददाई बनाने के लिए करे ।प्रोग्राम विस्तार अधिकारी पुखराज माली ने कहा कि संस्था सरकारी स्कूलों मे प्राथमिक शिक्षकों के साथ भाषा शिक्षण को रोचक बनाने के लिए काम कर रही है। कार्यशाला में भाषा शिक्षण से जुड़ी रोचक खेल गतिविधियों की फिल्म क्लिप दिखाई गई । इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी किरण दुबे जिला समन्वयक भीवाराम , बाल सहयोगी अध्यापिका प्रियंका रावत ने बतौर संदर्भ व्यक्ति प्राथमिक शिक्षको हिन्दी भाषा शिक्षण के गुर सीखाए। फोटो कैप्शन श्रीनगर। प्राथमिक शिक्षकों को भाषा शिक्षण की जानकारी देते ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर राकेश कटारा।

णमोकार जाप्यानुष्ठान और भक्तामर स्त्रोत के साथ वेदी शिलान्यास समारोह प्रारंभ

- **शुक्रवार को आचार्य शंशाक सागर के सानिध्य में होगी वेदी भूमि का शिलान्यास, पुण्यार्जक करेंगे स्वर्ण, रजत और ताम्र शिलाओं की स्थापना**

चमकता राजस्थान। जयपुर। धर्म नगरी गुलाबी शहर जो छोटी काशी के नाम से विश्व विख्यात है के मानसरोवर, न्यू सांगानेर रोड़ स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी के नवनिर्मित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गुरुवार से रात्रि 8 बजे से दो दिवसीय नवीन वेदी भूमि शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री और जिनेश भैया के निर्देशन में ₹ णमोकार महामंत्र जाप्यानुष्ठान और भक्तामर स्त्रोत पाठ ₹ के साथ प्रारंभ हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओ ने श्रद्धा - भक्ति और जयकारों के साथ भक्तामर स्त्रोत का गुणगान कर दीप अर्घ चढ़ाएं और श्रीजी की मंगल आरती की। शुक्रवार को दूसरे दिन आचार्य शंशाक सागर महाराज ससंघ सानिध्य में वेदी भूमि का शिलान्यास कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि शुक्रवार को वेदी भूमि शिलान्यास कार्यक्रम में अपना सानिध्य एवं आशीर्वाद प्रदान करने के लिए प्रातः 10.15 बजे आचार्य शंशाक सागर महाराज ससंघ स्वर्ण पथ, न्यू सांगानेर रोड़, स्वर्ण गार्डन होते हुए इंजीनियर्स कॉलोनी के जैन मंदिर में बेड - बाजों और जयकारों के साथ प्रवेश करेंगे। जिसके बाद मंत्रोच्चार और मांगलिक क्रियाओं के साथ आचार्यश्री के सानिध्य एवं बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री और जिनेश भैया के निर्देशन ने वेदी भूमि का शिलान्यास संपन्न करवाया जायेगा, इस दौरान आचार्य श्री उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल आशीर्वचन देते हुए और वेदी का महत्व बताते हुए नवीन वेदी की स्वर्ण, रजत और ताम्र शिलाओं की स्थापना संपन्न करवाएंगे। गणिनी आर्यिका प्रमुख सुपार्श्वमती माताजी और गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती माताजी की मंगल प्रेरणा और आशीर्वाद से नवीन मंदिर का कार्य चल रहा है। इस अवसर पर समाजसेवी कमलचंद तारा देवी छाबड़ा, पुष्पेंद्र अशोक जैन पचेवर वाले, सीए मनीष निशा छाबड़ा, सपन रजनी छाबड़ा, रवि रितु छाबड़ा, मयंक जैन, अनिल जैन बोहरा, मनीष जैन, महावीर जैन, गौरव जैन, अभिषेक जैन बिट्टू, प्रमोद बाकलीवाल, जेके जैन, राजेंद्र बड़जात्या, अजित पाटनी वरुण पथ समाज समिति अध्यक्ष एमपी जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित रहे।

दिया कुमारी के प्रयास रंग लाये, केन्द्र ने स्वीकृत की जयपुर के लिए पर्यटन की दो योजनाएं

चमकता राजस्थान

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा भेजी गयी क़रीब 145 करोड़ की दो बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी है।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को इस संदर्भ में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की थी। केन्द्रीय पर्यटन मंत्री ने इन कार्यों की शीघ्र स्वीकृति का भरोसा दिलाया था।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न पर्यटन केन्द्रों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूंजीगत व्यय की विशेष योजना के अंतर्गत आमेर और नाहरगढ़ के विकास के लिए 49.31 करोड़ और जल महल क्षेत्र के विकास के लिए 96.61 करोड़ रही परियोजना को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बजट में जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ की योजना की घोषणा की थी और उसके बाद से ही वे जल महल और आमेर-नाहरगढ़ के विकास के लिए रोप-वे तथा अन्य योजनाओं की केन्द्र द्वारा स्वीकृति के लिए प्रयासरत थी।

दिया कुमारी ने केन्द्रीय वित्त मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल-इंजन की सरकार का पूरा लाभ राजस्थान को मिल रहा है। उन्होंने आशा जताई की केन्द्र सरकार द्वारा किये जा रहे 145 करोड़ से अधिक के पूंजीगत व्यय से जयपुर में पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार होगा तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढेगें। इन कार्यों के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम को कार्यकारी एजेंसी नियुक्त किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जल महल और आमेर-नाहरगढ़ की विकास परियोजनाओं को पूंजीगत व्यय के रूप में स्वीकार करना, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों की सफलता है। पर्यटन में पूंजीगत व्यय के अलावा, नाहरगढ़-आमेर के विकास के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को रोप-वे योजनाओं के लिए भी प्रस्ताव भिजवाये गये है, जिनकी शीघ्र स्वीकृति के लिए दिया कुमारी ने बुधवार को केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी।

जयपुर चारदीवारी क्षेत्र और आमेर-नाहरगढ़ के विकास कार्यों के लिए पुरातत्व और संग्रहालय विभाग की अनापत्ति प्राप्त की जा चुकी है वही जलमहल क्षेत्र के विकास कार्यों लिए वन विभाग तथा राजस्थान झील विकास प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र भी जारी हो चुका है।

पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए जयपुर में विकास कार्यों के अतिरिक्त पर्यटन विभाग द्वारा खाटू श्याम जी तथा पुष्कर कॉरिडोर के विकास के लिए भी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट पीडीकोर के माध्यम से केन्द्र को भिजवाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बालिका सुरक्षा और चुनौतियों पर विचार गोष्ठी आयोजित, कक्षा 6 से 8 की छात्राओं ने भाग लिया

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शेरपुर, में 'मेंटर- मेंटी' कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 8 तक की छात्राओं के लिए बालिका सुरक्षा और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और प्रमुख वार्ताकार के रूप में शिक्षाविद् एवं पूर्व ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी डॉ. लाजपत शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रागिनी त्रिवेदी और लक्ष्मी देवी ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में छात्राओं को बालिका सुरक्षा, उनके अधिकार, और समाज में सामने आने वाली चुनौतियों पर जागरूक किया गया। इसके साथ ही, उन्होंने महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, ताकि छात्राएं अपनी शिक्षा और जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान खुद से कर सकें।

असंतुष्ट किसानों ने पटवारी को हटाने के लिए ज्ञापन दिया

चमकता राजस्थान। चौमहला। चमकता राजस्थान /रमेश मोदी गंगधार तहसील क्षेत्र के पटवार मंडल ढाबला के किसानों ने गुरुवार को तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर पटवारी को हटाने की मांग की। ग्रामीण हीरालाल वर्मा, नारायण सिंह, बालू सिंह, तूफान सिंह ,ईश्वर सिंह, अर्जुन वर्मा सहित अन्य ने बताया कि ढाबला पटवार हल्के के पटवारी फील्ड में नहीं आते,ऑफिस पर नहीं मिलते, किसानों का कार्य समय पर नहीं करते,गिरदावरी,नक्शा ट्रेस नही मिल पाता जिससे किसान बहुत परेशान है अतः उन्हें हटाकर किसी दूसरे पटवारी को इस हल्के में लगाया जावे ताकि किसानों को राहत मिल सके।

आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर समीक्षा बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। उपखंड बसडी की ग्राम पंचायत जारगा में बुधवार को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एएन सोमनाथ की अध्यक्षता में आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ, सीडीपीओ, सीबीईओ, जेईएन पीएचईडी सहित ब्लॉक स्तर के अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा सहयोगिनियां, एसएचजी महिलाएं और स्कूल प्राचार्य उपस्थित थे। बैठक में आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के प्रमुख संकेतकों की समीक्षा, समुदाय और संस्थागत दौरों से प्राप्त अवलोकनों का विश्लेषण, और गांव के बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार की सिफारिशों पर चर्चा की गई। गर्भवती महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की रोकथाम के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, इसके लिए घर-घर सर्वेक्षण और लक्षित हस्तक्षेप की रणनीति बनाई गई। स्कूल छोड़ने की दर में कमी लाने के लिए नियमित सर्वेक्षण और फॉलोअप करने की योजना बनाई गई।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को गंभीर और मध्यम कुपोषण से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, और 10 एसएचजी (स्वयं सहायता समूह) सदस्य महिलाओं को आय सृजन के लिए उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सामुदायिक दौरे के दौरान साफ-सफाई की स्थिति पर भी चर्चा की गई। जिला परिषद सीईओ ने वीडीओ को गांव में नियमित सफाई अभियान, जल निकासी और प्लास्टिक मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, सामुदायिक पुस्तकालय के लिए स्कूल भवन के एक कक्ष को चयनित करने का निर्णय लिया गया। जारगा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का अवलोकन करने पर कक्षाओं में प्रकाश की कमी, पुस्तकालय की खराब स्थिति और शौचालयों में सफाई की कमी पाई गई। स्कूल प्रशासन को इन बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में यह संकल्प लिया गया कि इन मुद्दों का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा और आशान्वित ब्लॉक के विकास को गति दी जाएगी। प्रगति की समीक्षा के लिए आगामी बैठकें आयोजित की जाएंगी।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश सतीश चंद ने किया जिला कारागृह निरीक्षण

चमकता राजस्थान

जयपुर। जिला एवं सेशन न्यायाधीश सतीश चंद द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा- निर्देशों के अनुसार किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल लीगल एड क्लिनिक के संचालन की स्थिति का मूल्यांकन किया और नालसा द्वारा जारी एस. ओ.पी. की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने निर्धन बंदियों के लिए आर्थिक सहायता के अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने और अपराध के समय नाबालिग बंदियों की पहचान कर उनके मामले में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सतीश चंद ने कारागृह में बंदियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, सफाई, स्वास्थ्य, स्वच्छता, चिकित्सीय सेवाओं, रसोईघर और बैरक आदि का जायजा लिया। उन्होंने नए बंदियों से उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। महिला बैरिक में भी जाकर महिला बंदियों से उनके प्रकरणों और कारागृह द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने जेल में स्थित रसोईघर का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। बंदियों को उनके अधिवक्ता व परिजन से मिलन की सुविधा प्रदान करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बंदियों को यह भी बताया कि यदि किसी विचाराधीन बंदी को अधिवक्ता की आवश्यकता है, तो वह जेल अधीक्षक के माध्यम से या न्यायालय में उपस्थित होकर विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर से निःशुल्क अधिवक्ता नियुक्त किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि यदि कोई सजायाफ्ता बंदी अपनी सजा के खिलाफ अपील करना चाहता है, तो उसे विधिक सहायता के तहत निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाएगा।

इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) रेखा यादव, जिला न्यायालय के पीए मनोज वर्मा, प्राधिकरण के सुरेन्द्र सिंह, राहुल डण्डौतिया, चीफ एलएडीसी अमित कम्ठान, डिप्टी एलएडीसी पप्पू सिंह गुर्जर, असिस्टेंट एलएडीसी मीता अग्रवाल, दीपक सिकरवार, आराधना शर्मा, जेल क्लीनिक पर कार्यरत पीएलवी इन्द्रेश शर्मा, जेलर शैलेन्द्र, हैड कॉनि. मनोज इत्यादि उपस्थित थे।

इतिहास गवाह है हिन्दुस्तान में मुगलों ने लूट मचाई, धार्मिक स्थलों पर कब्जा कर किया क्षतिग्रस्तः मदन राठौड़

अजमेर दरगाह शरीफ का मामला न्यायालय में विचाराधीन, टिप्पनी करना उचित नहीं: मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

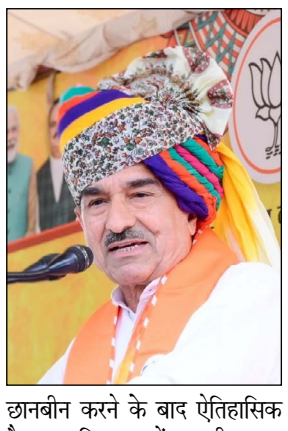

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अजमेर दरगाह शरीफ का मामला न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में उस संबंध में किसी प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, लेकिन इतिहास गवाह है मुगलों ने भारत में आकर लूट मचाई, धार्मिक स्थलों को क्षतिग्रस्त किया और हमारे धार्मिक स्थलों पर कब्जा तक कर लिया। ऐसे में इतिहास का अध्ययन सभी को करना चाहिए और उसके अनुसार स्वयं को आगे बढ़कर ऐसा निर्णय करना चाहिए जिससे समाज में सद् भाव बना रहे और हर वर्ग में भाई चारा कायम रहे। राठौड़ ने कहा कि हिन्दुस्तान में कई ऐसी बेमिसाल इमारतों को मुगलों ने क्षतिग्रस्त किया, उन पर कब्जा किया लेकिन माननीय न्यायालय ने उन पर छानबीन करने के बाद ऐतिहासिक फैसला दिया। हमें हमारी न्याय प्रणाली पर पूर्ण विश्वास है उसका फैसला जो भी होगा स्वागत किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा को किसी की पूजा पद्धति से कोई आपत्ती नहीं है, फिर चाहे वो मस्जिद में जाकर नमाज पढ़े या मंदिर में जाकर आरती करें, लेकिन हर भारतीय के मन में भारत के कण कण को लेकर आत्मीयता होनी चाहिए। राष्ट्र भक्ति, राष्ट्र चरित्र और राष्ट्र प्रथम की भावना चाहिए। देश के स्वाभिमान के साथ अपने आप को जोड़ना बहुत जरूरी है। आज भारत के इतिहास को देखा जाए तो यहां के ऐतिहासिक वास्तुशिल्प प्रसिद्ध है, अगर मुगलों द्वारा ऐतिहासिक स्मारक बनाए गए होते तो अरब देशों में भी ऐसी इमारते मिलती, लेकिन वहां हिन्दुस्तान जैसी वास्तुशिल्प कला देखने को नहीं मिलती। अब इन सब चीजों का पटाक्षेप होना ही चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड देशवासियों को अपना परिवार मानते है। वसुधेव कुटुंबकम के आधार पर कार्य करते है तो दूसरा पक्ष तुष्टिकरण की राजनीति को बढावा दे रहा है। एक वर्ग विशेष के लोगों को लाभ पहुंचाने के साथ विशेष अवसर दिए जाएंगे तो समाज में फूट पढेगी। इससे द्वेष भावना पनपेगी और असंतोष की भावना आएगी। ऐसे में हम सभी वर्गों को मिलकर संगठित रहने और समाज को तोड़ने वालों को बेनकाब करने के साथ उन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई मुस्लिम वर्ग से सवाल करें कि कांग्रेस ने उनको क्या दिया तो उनके पास संतोषजनक जवाब नहीं होगा। कांग्रेस ने वर्ग विशेष के लोगों को केवल वोट बैंक समझकर इस्तेमाल किया लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुस्लिम भाई-बहनों के लिए कई योजनाएं शुरू की और उनको लाभान्वित किया।

प्रतापगढ़ जिले में साइबर सेल व थाना प्रतापगढ़ पुलिस की कार्रवाई

- **इंस्टाग्राम पर प्रसिद्धि पाने युवकों ने बनाया बस स्टैंड पर बम होने का प्रेंक वीडियो, आमजन को भयभीत करने के मामले में गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान। जयपुर/प्रतापगढ़! (खलील कुरैशी) 28 नवंबर। इंस्टाग्राम पर प्रसिद्धि पाने के लिए शहर के बस स्टैंड पर बम होने का प्रैंक वीडियो बना सोशल मीडिया पर वायरल करना दो युवकों को भारी पड़ गया। जिले की साइबर सेल की सहायता से थाना प्रतापगढ़ पुलिस ने आमजन को भयभीत करने के आरोप में आरोपी युवकों इरफान पुत्र यूसूफ शेख (21) एवं शहीद पुत्र रहीम बक्श शेख (20) निवासी बजरंगगढ थाना हथुनिया को गिरफ्तार कर लिया।एसपी विनीत कुमार बंसल ने बताया कि असामाजिक तत्वों एवं बदमाशो पर एएसपी बलवीर सिंह मीणा व सीओ गजेन्द्र सिह राव के मार्गदर्शन में साईबर सैल द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी दौरान टीम के सामने प्रतापगढ बस स्टैण्ड पर बम होने का वायरल प्रैंक वीडियो आया। जिसमे दो युवक अफवाह फैला रहे थे व डरा धमका रहे थे कि इस बैग के पास कोई मत जाना, इस बैग में बम रखा हुआ है। इस पर उनके निर्देश पर साइबर सेल ने वीडियो बनाने वालो के सोशल मीडिया अकांउट से समस्त जानकारी प्राप्त की। एसपी बंसल ने बताया कि इसके बाद थानाधिकारी प्रतापगढ दीपक कुमार बंजारा के द्वारा टीम का गठन कर दोनों युवकों इरफान शेख व शहीद शेख को डिटेन कर पुछताछ के बाद आमजन में भय व्याप्त होने से कानुन व्यवस्था बिगडने की सम्भावना पर गिरफ्तार किया गया।पुलिस टीम द्वारा दोनों युवकों के परिजनों को भी थाने पर बुला पांबद किया कि अपने बच्चों को समझाए कि इस तरह की अफवाह नहीं फैलाये। जिससें आमजन में भय व्याप्त हो ओर किसी प्रकार की कानुन व्यवस्था बिगडने जैसी स्थिति पैदा हो। पुलिस ने आमजन से भी यही अपील की है।

न्यायालय के निर्णय के बावजूद पीड़ितों को परेशान करने में जुटे अधिकारी

चमकता राजस्थान।

जयपुर। मिशन राइट एण्ड जस्टिश के अध्यक्ष के एल पंजाबी आजाद ने राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद पीड़ित पक्षकारों को उनके अधिकारों की राशि का भुगतान न किए जाने और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा झूठे आश्वासन देने तथा पीड़ितों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

मिशन राइट एण्ड जस्टिश के अध्यक्ष के एल पंजाबी आजाद ने बताया कि उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बाद भी पीड़ित पक्षकारों को उनकी जायज हक की राशि का भुगतान नहीं किया गया। इसके विपरीत, पीड़ितों को झूठे आश्वासन देकर और मानसिक प्रताड़ना देकर चक्कर लगवाए जा रहे हैंआजाद ने कहा कि

सरकार द्वारा पूर्व में जारी योजनाओं और मुआवजे के अंतर्गत कई पीड़ित परिवारों को उनका लाभ देने में लापरवाही बरती जा रही है। विशेष रूप से, कमजोर आर्थिक स्थिति वाले और विधवा महिलाओं के मामलों में अनदेखी की गई है।

आजाद ने बताया कि लगभग 30 सप्ताह बीत जाने के बाद भी पीड़ितों को मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया है। विभाग द्वारा जानबूझकर मामले को लटकाने और प्रभावित लोगों को न्याय से वंचित रखने के लिए षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया गया है।

'मिशन राइट एंड जस्टिसस्र नामक संगठन द्वारा यह मुद्दा उठाया गया है।

उन्होंने विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है।इसके तहत 2 दिसंबर 2024 से जयपुर सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रामधुन, हनुमान चालीसा, शांति पाठ, और यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य पीड़िता लक्ष्मी मेहता के मामले में भी उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई है।

उनके परिवार को मुआवजे के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

दस्तावेज़ में आरोप लगाया गया है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा जानबूझकर उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे पीड़ितों को न्याय और मुआवजा प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। समाजसेवी संगठनों ने इस स्थिति के समाधान के लिए सक्रिय कदम उठाने की योजना बनाई है।

संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल पुलिस सहायता प्रदान करने के लिए पुलिस मुख्यालय का नवाचार

राजकॉप सिटीजन एप में महिला सुरक्षा के लिए मदद चाहिए (Need help) का फीचर

संकटग्रस्त महिलाओं के हेल्प मांगने पर तत्काल नजदीकी सहायता उपलब्ध होगी, पीड़ित को एप पर मिलेगी पूरी जानकारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल पुलिस सहायता प्रदान करने के लिये राजकॉप सिटीजन एप, वूमन सेफ्टी के तहत स्नीड हेल्पस्र के जरिये पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की योजना पुलिस मुख्यालय द्वारा शुरू की जा रही है। इसके लिए सर्वप्रथम विभिन्न जिला एवं रेंज स्तर पर सुरक्षा सखी, पुलिस मित्रों एवं अन्य जनसम्पर्क के माध्यम से इस एप के प्रयोग सम्बन्धी डेमोस्ट्रेशन दिया जाएगा।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटी श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने इस संबंध में सभी पुलिस अधीक्षक व पुलिस उपायुक्त को निर्देश जारी कर अधिकाधिक राजकॉप सिटीजन एप को मोबाईल पर डाउनलोड करने आमजन को डेमोंसट्रेशन के द्वारा प्रेरित करने को लिखा है। जिससे इस योजना का लाभ संकटग्रस्त महिलाओं को मिल सके।

एडीजी श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि राजकॉप सिटीजन ऐप में महिला सुरक्षा के लिए मदद चाहिए (Need Help) का Feature दिया गया है। जिसमे आपात स्थिति में सहायता व गैर आपात स्थिति में सहायता की दो तरह की सुविधाएं दी गयी है।

- **आपात स्थिति में सहायता**

आपात स्थिति में सहायता के लिए जब भी किसी महिला द्वारा रिक्वेस्ट की जाती है, तो 1090 कन्ट्रोल रूम (जयपुर) को नोटिफिकेशन जाता है। कन्ट्रोल रूम पर कार्यरत पुलिसकर्मी के नोटिफिकेशन स्वीकृत करने पर इसकी सूचना पीड़ित को ऐप पर दिखायी देती है। इसके बाद पीड़ित को कॉल कर समस्या पता की जाती है। अगर पीड़ित फोन नहीं करने का मैसेज रिक्वेस्ट के साथ भेजता है तो ऐसी स्थिति में लोकेशन पर मदद पहुंचाने की कार्यवाही की जाती है।

जयपुर कन्ट्रोल रूम ऑपरेटर द्वारा बिना समय गंवाए सम्बन्धित जिले के अभय कमाण्ड सेंटर को सूचना भिजवाई जाती है। जिसके आधार पर पीड़ित की लोकेशन पर उस जिले के सम्बंधित थाने को पहुँच जाती है। थाना पुलिस या नजदीकी वाहन 112 पीड़ित की लोकेशन पर पहुंच मदद पहुंचाता है। वाहन 112 की लोकेशन पीड़ित एप पर ट्रैक वाहन की सहायता से देख सकता है। एप पर हेल्प मांगने के बाद पीड़ित के पास पुलिस की गाड़ी पहुंचने तक की सभी जानकारी ऐप पर दी जाती है। जरूरी सहायत मिलने के बाद पुलिस कर्मी रिक्वेस्ट बन्द कर देता है। मदद प्राप्त हो जाने पर पीड़ित स्वयं भी रिक्वेस्ट बन्द कर सकता है।

- **गैर - आपातकालीन**

मदद चाहिए (Need Help) के Non- Emergency Help पर क्लिक कर किसी महिला द्वारा रिक्वेस्ट की जाती है, तो उस स्थिति में नोटिफिकेशन को कन्ट्रोल रूम का पुलिसकर्मी स्वीकृत कर पीड़ित को कॉल कर समस्या पता करता है। समस्या सुनने के बाद तुरन्त संबंधित थाने को सहायता उपलब्ध कराने के लिए कॉल करता है।

परिवाद होने की स्थिति में कन्ट्रोल रूम कर्मचारी परिवाद प्राप्त कर सीसीटीएनएस में इन्द्राज कर सम्बन्धित थाने को वह परिवाद जांच के लिए भेज देता है। जांच के बाद जो भी कार्रवाई होती है थाना पुलिस द्वारा कॉल कर कन्ट्रोल रूम को दी जायेगी। इस सूचना के आधार पर 1090 कंट्रोल रूम रिक्वेस्ट बंद कर देता है।

जेडीए द्वारा शीघ्र की जायेंगी छः योजनाएं लांच

जेडीए सचिव निशांत जैन ने ली समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक, दिये विभिन्न दिशा-निर्देश

लीजडीड बकायदारों को जारी किये जायेंगे नोटिस

कोर्ट कैसेज की तथ्यात्मक रिपोर्ट 31 दिसम्बर तक प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 नवम्बर। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा महोदय के मार्गदर्शन में जेडीए सचिव निशांत जैन की अध्यक्षता में गुरूवार को जेडीए के मंथन सभागार में जेडीए के समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जेडीए सचिव ने जेडीए द्वारा सृजित की जाने वाली आवासीय/अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं को शीघ्र लांच करने हेतु आवशयक दिशा-निर्देश दिये। जेडीए द्वारा जोन में मुख्य सडकों पर विभिन्न प्रकार - एग्रो वेयर हाउस, वेयर हाउस, फार्म हाउस, व्यावसायिक, आवासीय एवं अन्य योजनाएं लांच करने हेतु प्लानिंग की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने समस्त जोन उपायुक्तों को अपने-अपने जोन्स में नवीन

योजनाएं सृजित करने हेतु भूमि चिन्हिकरण करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि जोन-11 में रामपुरा, चतरपुरा (लाल्या का बास) में योजना सृजन हेतु पीटी सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं प्लानिंग हेतु आयोजना शाखा द्वारा कार्यवाही की जा रही है। जोन-14 में काठवाल, मुकारपुरा में सीमांकन हेतु अधिशाषी अभियंता द्वारा कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। जोन-10 गोविंदपुरा रोपाडा, जोन-12 में नई का बास में योजना एवं जयरामपुरा फार्म हाउस योजना एवं जोन-11 में चिरोता वेयर हाउस योजना शीघ्र योजना लांच की जायेगी।बैठक में लाईट्स (कोर्ट कैसेज) के 2024 में विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट 31 दिसम्बर, 2024 तक प्रस्तुत करने के निर्देष दिये। इसके अतिरिक्त विधानसभा प्रश्नों के उत्तर 20 दिसम्बर, 2024 तक त्वरित भिजवाने के निर्देश दिये। बैठक में भूमि के बदले भूमि के लंबित 91 प्रकरणों की पेंडेंसी एल.आर.एक्ट के अंतर्गत शून्य करने के निर्देश दिये। बैठक में राजस्व अर्जन हेतु विभिन्न जोनों में बडे भूखण्डों की लीज बकाया है। ऐसे व्यावसायिक, संस्थागत एवं ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों की सूची तैयार कर संबंधित को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। बैठक में जेडीए सचिव द्वारा नागरिक सेवा केन्द्र के माध्यम से जविप्रा के ऑनलाईन पोर्टल पर नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं (यथा लीजहोल्ड, नाम हस्तान्तरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र तथा उप विभाजन/पुनर्गठन) के प्रकरणों का निस्तारण समय-सीमा में करने पर संतोष व्यक्त किया एवं आगे भी इसी तरह से निस्तारण करने के निर्देष दिये। इसके साथ ही उन्होंने 90ए से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण भी समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिये।

संक्षिप्त समाचार

आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की जीरो टालरेंस पालिसी, जम्मू में होगी एनएसजी की तैनाती

नई दिल्ली/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के प्रति अपनाए हुए हैं। इस नीति की अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की एक विशेष टास्क फोर्स को जम्मू में तैनात करने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय के निर्देशों के आधार पर आतंकवाद निरोधी इकाई बल शहर में तैनात किया जाएगा।

सूत्रों ने यह भी बताया कि एनएसजी का विशेष कार्य बल जम्मू शहर में स्थायी रूप से तैनात किया जाएगा ताकि वे किसी भी आपात स्थिति या आतंकवादी हमले की स्थिति में किसी भी स्थान पर पहुंच सकें। एनएसजी कमांडो की तैनाती जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंक-विरोधी योजना का हिस्सा है।

यह योजना मुख्य रूप से ऊंची इमारतों, शॉपिंग मॉल, सिनेमा हॉल और अन्य संवेदनशील स्थलों को आतंकी हमलों से बचाने के लिए बनाई गई है। अधिकारियों ने कहा कि आतंकियों के लिए शहर में प्रवेश करना अब बेहद मुश्किल हो गया है क्योंकि मल्टी-लेयर सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है।

संभल हिंसा : अखिलेश ने फोटो जारी कर पूछा पहले पहल फसाद की वजह बने, उनकी तस्वीरें कब लगेंगी

लखनऊ/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल की हिंसा के बाद सियासी बयानबाजी और पोस्टरवार भी शुरू है। एक तरफ प्रशासन ने घटना में शामिल उपद्रवियों की तस्वीरें जारी की है। वहीं दूसरी तरफ सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी कर पूछा है जिन्होंने बवाल शुरू किया और जो पहले पहल फसाद की वजह बने, उनकी तस्वीरें कब लगेंगी?

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गुरुवार को संभल हिंसा को लेकर एक तस्वीर जारी की है जिसमें सुप्रीमकोर्ट के अधिवक्ता विष्णु जैन के साथ अन्य लोग भी दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा कि जिन्होंने बवाल शुरू किया और जो पहले पहल फसाद की वजह बने, उनकी तस्वीरें कब लगेंगी?

दरअसल हिंसा के तीन दिन बाद बुधवार को पुलिस की ओर से जारी किए गए पोस्टरों में अधिकतर उपद्रवी अधिकतर नौजवान दिख रहे हैं। सभी मुंह बांधे हुए हैं। उनके हाथ में ईंट पत्थर भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा कुछ वीडियो भी वायरल हो रहे हैं जिसमें महिलाएं पत्थर चलाती नजर आ रही है। हालांकि उनके पोस्टर जारी नहीं हुए हैं। बवाल के बाद पुलिस-प्रशासन के अधिकारी लगातार कार्रवाई को आगे बढ़ा रहे हैं। सांसद जियाउर्रहमान बर्क को भी 168 का नोटिस तामील कराया गया था। वीडियो, सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज से आरोपियों को चिह्नित किया गया।

एसपी ने कहा कि किसी भी निर्दोष को डरने की जरूरत नहीं है लेकिन जो लोग उपद्रव में शामिल रहे हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। एसपी ने लोगों से उपद्रवियों की सूचना देने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी और उन्हें इनाम भी दिया जाएगा।

ज्ञात हो कि बीते रविवार को संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा मामले में चार लोगों की मौत हो गई और कई पुलिसवाले घायल हो गए। इसको लेकर पुलिस ने पत्थरबाजी करने वाले की पहचान की है और इस मामले में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन

जिला स्तरीय अधिकारियों ने बीसीएमओ, बीपीएम, एएनएम, चिकित्सा अधिकारी व लाभार्थी से किया ऑनलाईन संवाद

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम।- 28 नवंबर। - मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर गुरूवार को जिले में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया गया। इसमे बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टीकाकरण की सेवाएं प्रदान की गई। सत्रों के दौरान मौसमी बीमारियों के रोकथाम की जानकारी

दी गई।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गुरुवार को एमसीएचएन डे पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन कर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टीके लगाए गए। इस मौके पर गर्भवती महिलाओं और परिजनों को मौसमी बीमारियों से बचाव व रोकथाम के विषय में बताया गया । इसके साथ ही टीकाकरण सत्रों की जिला स्तरीय अधिकारियों ने ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य कर्मियों एवं लाभार्थियों से औचक ऑनलाईन संवाद कर प्रभावी मॉनिटरिंग की गई'।

केन्या से आये हुए पांच सदस्यीय डेलीगेशन ने जयपुर ग्रेटर आयुक्त रूकमणी रियाड़ से मुलाकात की

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 नवम्बर । केन्या से आये हुए पांच सदस्यीय डेलीगेशन ने गुरूवार को नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणी रियाड़ से मुलाकात की आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल का बुके भेंट कर स्वागत किया तथा नगर निगम की कार्य प्रणाली से अवगत कराया आयुक्त ने बताया की प्रतिनिधिमंडल CRA (Commission On Revenue allocation) द्वारा 25 से 29 नवम्बर को भारत भ्रमण के दौरान प्रमुख संस्थानों का निरीक्षण कर उनकी प्रणाली

को जान रहे है इसी क्रम में आज नगर निगम ग्रेटर आकर नगर निगम ग्रेटर की कार्य प्रणाली को समझा यू डी टैक्स, जी आई एस मैपिंग, सहित राजस्व शाखा से सम्बन्धित अन्य कार्यो को बारीकी से समझा इस अवसर पर उपायुक्त राजस्व प्रथम अशोक कुमार शर्मा मौजूद रहे।नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने नगर निगम ग्रेटर द्वारा किए जाने वाले कार्यो के बारे में अवगत कराया साथ ही नगर निगम द्वारा संचालित योजनाओ के बारे में भी डेलीगेशन को अवगत कराया प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम की कार्यप्रणाली की सराहना की।

- **ग्रेटर आयुक्त ने नगर निगम की कार्य प्रणाली से करवाया अवगत, महत्वपूर्ण विषयों पर किया संवाद**

श्रद्धा हत्याकांड जैसा एक और केस :

'लिव-इन पार्टनर' की हत्या कर शव के 50 टुकड़े किए, ऐसे हुआ खुलासा

रांची/एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले से हत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कसाई का काम करने वाले एक युवक ने अपनी 'लिव-इन पार्टनर' की हत्या कर के उसके शव को 40 से 50 टुकड़ों में काट कर फेंक दिया है। हत्या का खुलासा तब हुआ जब पुलिस को एक आवारा कुत्ते के पास मानव शरीर के अंग मिले। पुलिस ने बुधवार को इस पूरे हत्याकांड के बारे में जानकारी दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या की इस घटना ने लोगों का दिल दहला कर रख दिया है।

- **दूसरी महिला से कर ली थी शादी**

पुलिस के मुताबिक खूंटी जिले का 25 वर्षीय युवक नरेश भेंगरा अपने ही शहर की एक 24 साल की लड×की के साथ बीते कुछ समय से तमिलनाडु में 'लिव-इन रिलेशनशिप' में रह रहा था। हालांकि, कुछ समय पहले वह घर आया और बिना बताए दूसरी महिला से शादी कर ली। इसके बाद वह बिना पत्नी के ही वापस तमिलनाडु चला गया। इसके कुछ समय बाद युवक-युवती वापस खूंटी पहुंचे लेकिन आरोपी नरेश युवती को अपने घर नहीं ले जाना चाहता था। इसी समय 8 नवंबर को उसने इस जघन्य हत्या की घटना को अंजाम दिया।

- **पहले दुष्कर्म फिर हत्या**

पुलिस के मुताबिक, युवती को ये बात नहीं पता थी कि आरोपी नरेश ने शादी कर ली है। नरेश और युवती पहले रांची पहुंचे और फिर नरेश के गांव के लिए रवाना हुए। पुलिस ने बताया- योजना के तहत नरेश महिला को अपने घर के पास ऑटोरिक्शा में खूंटी ले गया और उसे इंतजार करने के लिये कहा। वह धारदार हथियार लेकर लौटा और उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसके दुपट्टे से उसका गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव के 40 से 50 टुकड़े किए और पत्नी के साथ रहने के लिए घर चला गया।

- **चिकन काटने में माहिर था आरोपी**

पुलिस के मुताबिक, आरोपी तमिलनाडु राज्य में एक कसाई की दुकान में काम करता था और चिकन काटने में माहिर था। आरोपी ने पकड़े जाने के बाद अपना जुर्म कबूल लिया है। उसने युवती के शरीर के अंगों को 40 से 50 टुकड़ों में काटने के बाद उन्हें जंगल में जंगली जानवरों के खाने के लिए छोड़ दिया। पुलिस ने जंगल में एक बैग भी बरामद किया है जिसमें युवती के आधार कार्ड समेत अन्य सामान मिले हैं। युवती की मां को मौके पर बुलाया गया और उसने अपनी बेटी के सामान की पहचान की है।

"जयपुर पुलिस आयुक्त ने मुहाना थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों को दी राहत"

जनसुनवाई के दौरान परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है: बीजू जॉर्ज जोसफ

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 नवम्बर। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने गुरूवार को मुहाना थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध कुँवर राष्ट्रदीप,पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक

सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू , सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर,सहायक पुलिस आयुक्त बगरू सहित संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहे।बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की इस सकारात्मक पहल से आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए सभी थानों में भी प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है।आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, जमीन के डबल पट्टे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट, धमकी सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।गौरतलब है कि इससे पहले पुलिस आयुक्त ने शिप्रापथ, कानोता, करधनी, विद्याधरनगर, शिवदासपुरा, बगरू, चौमू, प्रतापनगर, जयसिंहपुरा खोर, जवाहर सर्किल एवं वैशालीनगर थाने में जनसुनवाई कर सैकड़ों परिवादियों को राहत दी थी। जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। समय लगने वाली अन्य समस्याओं के जल्द समाधान के लिए भी निर्देश दिए गए।जनसुनवाई के दौरान वृत क्षेत्र चाकसू, मानसरोवर जयपुर (दक्षिण) व बगरू जयपुर (पश्चिम) क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया।

संक्षिप्त खबरें

स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

हरिद्वार। पथरी थाना पुलिस ने स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से 10.02 ग्राम स्मैक बरामद की है। जानकारी के मुताबिक पथरी पुलिस चेकिंग अभियान पर थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम घिस्सूपुरा तिराहे पर खड़े एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया। आरोपित के पास से तलाशी लेने पर उसके पास से 10.02 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम पता मुस्लिम निवासी ग्राम बहादरपुर खादर कोतवाली लक्सर हरिद्वार बताया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से बच्ची की मौत

जींद। पटियाला चौक स्थित श्याम नगर कॉलोनी में बुधवार रात को बिजली की हाईटेंशन तारों की चपेट में आने से एक 13 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मृतक परिजनों ने घटना पर रोष जताया और बिजली घर के निकट नारेबाजी भी की। गुरूवार को पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। श्याम नगर कॉलोनी निवासी मोहित छह माह से किराये पर रह रहा है। मोहित की पत्नी काजल की बहन दिव्या अपनी बेटी के साथ मिलने के लिए आई थी।

खड़े ट्रक में अचानक भड़की भयावह आग

जबलपुर। शहर के गोहलपुर थाना क्षेत्र के जागृति नगर मुख्य मार्ग के पास खड़े एक ट्रक में बुधवार की रात अचानक आग लग गई। ट्रक में आग देखते ही लोग दहशत में आ गये। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस के साथ दमकल विभाग को सूचना दी। पुलिस के पहुंचते ही सुरक्षा की दृष्टि से दोनों तरफ का मार्ग बन्द करवाया गया। मौके पर पहुंची फायरब्रिगेड के दस्ते ने तुरंत आग पर काबू पाया। आग बुझाने में दमकल स्टाफ के साथ दो गाड़ियां जुटी रहीं। सूचना पर त्वरित पहुंची थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ट्रक मालिक से सम्पर्क कर उसमें रखे सामान और नुकसान की जानकारी जुटा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

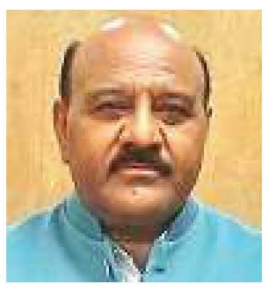

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया है। उनका यह बयान जम्मू में मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) कार्यालय का औचक निरीक्षण करने के बाद आया है जिसमें उन्होंने पाया कि लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित थे उपमुख्यमंत्री इस तथ्य से परेशान थे कि कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने कर्मचारियों की अनुपस्थिति के बारे में उन्हें धोखा देने की कोशिश की। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यह अस्वीकार्य है कि कुछ ऑन-ड्यूटी कर्मचारियों ने स्थिति के बारे में मुझसे झूठ बोला, यही वजह है कि जिम्मेदार लोगों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित मुख्य अभियंता को स्पष्टीकरण देने के लिए सचिवालय बुलाया है। निरीक्षण के बाद मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम जनता के प्रतिनिधि हैं और हमें जनता ने चुना है। पहले का शासन खत्म हो चुका है।

नेपाली व्यक्ति का संदिग्ध हालत में शव बरामद

शिमला। शिमला के कुमारसेन थाना अंतर्गत नारकंडा के धार गांव में एक नेपाली व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में झाड़ियों में पड़ा मिला है। इससे इलाके में हड़कम्प मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही बीएनएस की धारा 194 के तहत संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया है और जांच जारी है। मामले के अनुसार स्थानीय लोगों ने बुधवार को शव झाड़ियों में मुंह के बल पड़ा दिखा। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी।

जंगल से भटककर बाजार जा पहुंचा हाथी

हरिद्वार। हरिद्वार के रिहायशी इलाकों में जंगली हाथियों के घुसने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी के चलते एक जंगली हाथी बहादराबाद क्षेत्र के बाजार में आ धमका। हाथी के बाजार में आने से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि हाथी ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक एक जंगली हाथी जंगल से भटककर बहादराबाद बाजार आ पहुंचा। हाथी को देखकर पूरे बाजार में अफरा तफरी मच गई।

घूमकर लौट रहे चार युवक की कार हादसे में मौत

वलसाड। सिलवासा के दूधनी रोड पर भीषण सड़क हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौत हो गई। कार में सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। कार में सवार पांचों युवक सूरत से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के दूधनी घूमने गए थे। संघ प्रदेश सिलवासा के दूधनी स्थित मेघा मेढा की सीमा में गुरुवार को एक कार बड़े पत्थर से टकराने के बाद असंतुलित होकर तीन-चार बार गुलाटी मारते हुए पलट गई।

समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ में स्थापित होगी जनजातीय गौरव प्रदर्शनी

जनजातीय समाज प्रकृति पूजक समाज है : परमार

- समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के पुस्तकालयों को जनजातीय योगदान से जुड़े साहित्य से समृद्ध करेंगे

भोपाल। एजेंसी

अतीत के कालखंडों में इतिहासकारों ने जनजातीय नायकों एवं महापुरुषों के पुरुषार्थ एवं कृतित्व के साथ न्याय नहीं किया। इतिहास के पन्नों में जनजातीय नायकों के संघर्ष, शौर्य, पराक्रम, बलिदान और त्याग को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत नहीं किया गया। जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक गौरवपूर्ण योगदान और देश की स्वाधीनता के लिए दिए उनके बलिदान को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। जनजातीय नायकों एवं महापुरुषों के पुरुषार्थ एवं कृतित्व से मात्र जनजातीय समाज नहीं अपितु संपूर्ण राष्ट्र लाभान्वित हुआ। राष्ट्र के लिए जनजातीय योगदान का यह समग्र विचार, जनमानस के समक्ष लाने की आवश्यकता है। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीय दृष्टि से स्वाधीनता के संघर्ष के सही इतिहास को भारतीय दृष्टिकोण के साथ भारतीय परिप्रेक्ष्य में लिखने का अवसर प्रदान किया है।

यह बात उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन के गौरांजनी सभागृह में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास, श्रेष्ठ ज्ञान परम्परा, सभ्यता, संस्कृति , विरासत, शौर्य, पराक्रम एवं स्वाधीनता के नायकों का बलिदान और उपलब्धियों को, वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी को सही परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण से बताने की आवश्यकता है।

मंत्री परमार ने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृति पूजक समाज है। प्रकृति की पूजा में भारतीय सभ्यता का मूल भाव कृतज्ञता है। कृतज्ञता का भाव, हमारी सभ्यता और विरासत है। प्रकृति, जल स्त्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के प्रति कृतज्ञता का भाव भारतीय समाज में परम्परागत रूप से आदिकाल से विद्यमान है। भारत का ज्ञान विश्व मंच पर ईसा से हजारों वर्षों पूर्व भी सर्वश्रेष्ठ था, इसलिए भारत विश्व गुरु के रूप में सुशोभित था। हम सभी को भारत के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान पर गर्व का भाव जागृत कर, देश को पुनः विश्व मंच पर सिरमौर बनाने में सहभागिता करने की आवश्यकता है। इसके लिए भारतीय उपलब्धियों पर हीन भावना से बाहर आकर, स्वत्व का भाव जागृत करना होगा। जनजातीय नायकों के अपने अस्त्र-शस्त्र होते थे, जो वे स्वयं निर्माण करते थे। ईसा पूर्व ही जनजातीय समाज, श्रेष्ठ लोहा निर्माण करते रहे हैं। जनजातीय समाज के ऐसे कई कृतित्व, आज भी विद्यमान है। ऐसे कृतित्व का पुनः अध्ययन, शोध एवं अनुसंधान कर, तथ्यपूर्ण एवं सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि स्वाधीनता संग्राम में अपनी प्राणों की आहुति देने वाले जनजातीय अमर बलिदानियों के पुरुषार्थ पर आधारित प्रदर्शनी शुभारंभ किया गया है, किंतु दुर्भाग्यवश जनजाति नायकों के चित्रों की प्रदर्शनी में लगाए गए पचहत्तर प्रतिशत चित्रों को आज हम नहीं पहचानते हैं।

भारतीय ज्ञान परम्परा और जनजातीय योगदान से जुड़े साहित्य से समृद्ध करेंगे : उच्च शिक्षा मंत्री

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा को भारतीय ज्ञान परम्परा से समृद्ध करने का अवसर है। इसके लिए प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पुस्तकालयों को, भारतीय ज्ञान परम्परा और जनजातीय योगदान से जुड़े साहित्य से समृद्ध करेंगे। उन्होंने कहा कि ईसा के पूर्व के भारतीय ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर प्रस्तुत करने के लिए, शोध एवं अध्ययन के आधार पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, शैक्षिक परिदृश्य में तथ्यपूर्ण समावेश की आवश्यकता है। परमार ने कहा कि हम सभी की सहभागिता से स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। सौर ऊर्जा से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों की पूर्ति करने में सक्षम राष्ट्र होगा। खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर अन्य देशों के भरण पोषण करने में सामर्थ्यवान देश बनेगा। वर्ष 2047 के विकसित एवं विश्व गुरु भारत की संकल्पना को साकार करने में हम सभी की सहभागिता आवश्यक है। मंत्री परमार ने राष्ट्र के जनजातीय नायकों के पुरुषार्थ एवं कृतित्व पर प्रदर्शित चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ कर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

बस और ट्रक की भिड़ंत में तीन की मौत

आणंद । आणंद जिले के पेटलाद के समीप तारापुर-धर्मज हाइवे पर गुरुवार सुबह ट्रक और लक्जरी बस के बीच हुई टक्कर में 3 यात्रियों की मौत हो गई, वहीं 15 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान भरुच निवासी ध्रुव रूडाणी (32), राजकोट का मनसुख कोराट (67) और कल्पेश जियाणी (39) निवासी राजकोट के रूप में की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राजकोट से सूरत की ओर जा रही लक्जरी बस आणंद जिले के पेटलाद के समीप तारापुर-धर्मज हाइवे पर वडदला पाटिया से गुजर रही थी। इस बीच लक्जरी बस के चालक ने आगे जा रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की, जिसमें चालक के स्टीयरिंग से काबू बिगड़ने के कारण बस ट्रक के पीछे जा टकराई। दुर्घटना में बस में सवार तीन यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं 15 से अधिक यात्रियों को कम-ज्यादा चोट लगी हैं। दुर्घटना के कारण बस का एक साइड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद एम्बुलेंस और हाइवे पर पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम समेत पेटलाद ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इमरान खान, बुशरा बीबी समेत 75 के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज

रावलपिंडी। एजेंसी

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और पार्टी के कई अन्य नेताओं के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया गया है। रावलपिंडी के नसीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में इमरान खान की बहन अलीमा खान, उमर अयूब, शेरयार रियाज समेत 75 अन्य लोगों के नाम हैं। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि इमरान खान ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को 22 नवंबर को इस्लामाबाद की ओर मार्च करने के लिए उकसाया। बुशरा बीबी के सोशल मीडिया बयान ने कार्यकताओं को उकसाया। इन सब पर सड़कों को अवरुद्ध करने की साजिश रचने, पुलिस अधिकारियों पर लाठियों, गुलेल, पत्थरों और ईंटों से हमला करने का भी आरोप है। एफआईआर में पाकिस्तान दंड संहिता की 15 अन्य धाराएं भी शामिल हैं। इससे पहले हक्ला इंटरचेंज के पास हिंसक टकराव के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल की मौत और अन्य के घायल होने के बाद तक्षशिला पुलिस स्टेशन में इमरान खान पर एक अन्य मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में अली अमीन गंडापुर, सालार खान काकर और शाहिद खट्टक समेत अन्य के नाम भी दर्ज हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगभग सालभर से रावलपिंडी सेंट्रल जेल में बंद हैं।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, एक की मौत

शाहजहांपुर। थाना रोजा क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसे में एक किशोर की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलो की राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना रोजा प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गुरुवार सुबह मोहम्मदी की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार रोजा क्षेत्र में हाइवे पर ग्राम पिपिरिया में पास अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई और पलटते हुए नाले में गिर गई। सूचना पर पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे घायलो को बाहर निकाला और राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जबकि हादसे में एक किशोर की मौके पर ही मौत गई है। उन्होने बताया कि मृतक की पहचान सहजान(10) के रूप में हुई है,जबकि घायलो में मोहम्मद फैजान(11), मुस्कान(18), कुलसुम(17), आसमा(40), शमा परवीन(30), हुदा((16), खुशनुमा(22) एहसन तथा कार चालक अरमान(25) शामिल है।

मेक्सिको: अवैध प्रवेश पर लगेगी रोक : ट्रंप

वाशिंगटन/मेक्सिको सिटी। एजेंसी

संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज प्रवासियों के अवैध प्रवेश को लेकर मेक्सिको के कदम पर खुशी जताई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर लिखा मेक्सिको की नई राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम पार्डो के साथ काफी सकारात्मक बातचीत हुई। वह मेक्सिको के जरिये संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवासन रोकने, हमारी दक्षिणी सीमा को प्रभावी ढंग से बंद करने पर सहमत हो गई हैं। उन्होंने कहा हमने इस बारे में भी बात की कि संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं के प्रवाह को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। बातचीत बहुत सार्थक रही। मेक्सिको तुरंत प्रभाव से लोगों को हमारी दक्षिणी सीमा पर जाने से रोकेगा। यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध घुसपैठ को रोकने की दिशा में लंबा रास्ता तय करेगा। ट्रंप ने इसके लिए मेक्सिको की राष्ट्रपति पार्डो का आभार जताया है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्डो ने भी ट्रंप से हुई बातचीत का ब्यौरा एक्स हैंडल पर साझा किया है। उन्होंने लिखा, "राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बातचीत में मैंने उन्हें उस व्यापक रणनीति के बारे में बताया जो मेक्सिको ने मानवाधिकारों का सम्मान करते हुए प्रवासन घटना से निपटने के लिए अपनाई है।

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा: वासुदेव

जयपुर। एजेंसी

ऑलमाइटी इंटरनेशनल की ओर से राजधानी जयपुर के इंद्रलोक सभागार में गुरुवार को आयोजित राष्ट्रीय स्तर का एक दिवसीय एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया।

देवनानी ने अपने उद्घाटन संबोधन में ज्योतिष और वास्तु शास्त्र को भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और कहा कि ज्योतिष और वास्तु शास्त्र न केवल हमारी प्राचीन धरोहर हैं, बल्कि आज के आधुनिक समय में भी ये हमें बेहतर जीवन जीने की दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस तरह के आयोजनों से इन प्राचीन विद्याओं को वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से समझने और अपनाने का अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम में पंडित सुरेश मिश्र, राजेंद्र सिंह पचार फोरम प्रेजिडेंट, मोहित माहेश्वरी, जे डी माहेश्वरी, पवन गोयल बतौर अतिथि मौजूद रहे।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. मेघा शर्मा ने कहा कि यह आयोजन प्राचीन भारतीय विज्ञानों को आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिक बनाने की दिशा में एक कदम है। हमने यह प्रयास किया है कि ज्योतिष और उससे संबंधित विद्या को समाज के हर वर्ग तक सरल और प्रभावशाली तरीके से पहुंचाया जा सके। ऑलमाइटी इंटरनेशनल के संस्थापक अरशद हुसैन ने कहा कि यह सम्मेलन हमारे लिए एक अनूठा अवसर था, जहां हमने प्राचीन भारतीय ज्योतिष और वास्तु विद्या को आधुनिक समाज से जोड़ने का प्रयास किया। इस पहल का उद्देश्य न केवल लोगों को जागरूक करना था।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना और हिजबुल्लाह के आतंकी भिड़े

बेरूत। एजेंसी

लेबनान में दो माह के युद्ध विराम को प्रभावी हुए 24 घंटे से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। अधिकतर क्षेत्रों से इजराइली सुरक्षा बल (आईडीएफ) और हिजबुल्लाह के आतंकवादी पीछे हट चुके हैं। मगर लड़ाई रुकने के कुछ घंटों बाद दक्षिणी लेबनान के कुछ इलाकों में आईडीएफ के जवानों और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच झड़प हो गई। इसमें हिजबुल्लाह को काफी क्षति हुई। द यरूशलम पोस्ट के अनुसार युद्ध विराम लागू होने के बाद ज्यादातर हिस्सों से आईडीएफ के जवान और हिजबुल्लाह के लड़ाके पीछे हट चुके हैं। लेबनान की सेना दक्षिणी लेबनान में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ रही है। आईडीएफ और हिजबुल्लाह के बीच बुधवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में जमीनी भिड़ंत जरूर हुई लेकिन सुबह चार बजे शुरू हुआ संघर्ष विराम का प्रभाव दिखने लगा है। आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने कई जगह संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोशिश की। उसके लड़ाके दक्षिणी लेबनान के कुछ क्षेत्रों में प्रवेश की कोशिश करने लगे। चेतावनी के बावजूद जब वह नहीं रुके तो गोलीबारी करनी पड़ी। इस दौरान कई लड़ाके मारे गए। कुछ घबराकर पीछे लौट गए। चार लड़ाकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आईडीएफ ने कहा कि अगर युद्ध विराम के दौरान हिजबुल्लाह ने उल्लंघन की हरकत की तो लेबनान में और शक्तिशाली हमले किए जाएंगे।

गंडापुर ने कहा-हुकूमत के विरोध में धरना जारी रहेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के तेवर अब और गरम हो गए हैं। संघीय राजधानी के डी-चौक पर 'करो या मरो' विरोध प्रदर्शन के खत्म होने के बाद पार्टी के बड़े नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के संवाददाता सम्मेलन ने हुकूमत की चिंता बढ़ा दी है। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के मुताबिक, डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे पीटीआई के काफिले का नेतृत्व कर कल शाम लौटे गंडापुर ने अपने प्रांत की खूबसूरत घाटी मानसेहरा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शहबाज हुकूमत पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हुकूमत इस मुगालते में मत रहे कि आंदोलन खत्म हो गया है। इस्लामाबाद में हुकूमत ने निहत्थे पीटीआई कार्यकर्ताओं पर जुल्म की इंतहा की है। इससे कोई डरने वाला नहीं है। पीटीआई का देशव्यापी धरना बंद नहीं होगा। वह जारी रहेगा।

प्राकृतिक खेती का उद्देश्य सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना: डॉ. राजीव

- उर्वरकों एवं कृषि रक्षा रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी की सेहत हो रही है खराब
- गुणवत्ता युक्त उत्पाद भी नहीं मिल पा रहा है
- प्राकृतिक खेती अपनाना वर्तमान समय की मांग है

कानपुर। एजेंसी

खेती में रासायनिक उर्वरकों एवं कृषि रक्षा रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी की सेहत खराब हो रही है, तथा गुणवत्ता युक्त उत्पाद भी नहीं मिल पा रहा है। इसलिए प्राकृतिक खेती अपनाना वर्तमान समय की मांग है, जिससे मिट्टी की सेहत में सुधार होगा एवं खेती की लागत में कमी आएगी तथा टिकाऊ खेती का सपना साकार होगा। यह जानकारी गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग के सस्य विद डॉ राजीव ने दी।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती का उद्देश्य सबके लिए सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। इससे जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा। इस दिशा में डॉ राजीव द्वारा विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग में तीन फसल पद्धतियों जैसे : हरी खाद पत्ता गोभी लोबिया (गर्मी), लोबिया (खरीफ) मटर, तोरई तथा मूंग, टमाटर पर प्राकृतिक खेती का शोध किया जा रहा है। फसलों पर विभिन्न प्राकृतिक घटकों जैसे जीवामृत, गोबर की खाद, जीवामृत व जैविक मल्चिंग का संयुक्त प्रयोग तथा गोबर की खाद व जैविक मल्चिंग का संयुक्त प्रयोग को शत प्रतिशत रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के तुलनात्मक अध्ययन किया जा रहा है।

डॉ राजीव ने बताया गया कि गत वर्ष के अध्ययन के अनुसार सब्जी फसलों में गोबर की खाद 20 टन प्रति हेक्टेयर व जैविक मल्चिंग 7.5 टन प्रति हेक्टेयर के संयुक्त प्रयास से सर्वाधिक पत्ता गोभी में 210.09 कुंतल, लोबिया (गर्मी फसल) में 89.28 कुंतल, लोबिया (खरीफ फसल) में 87.12 कुंतल, मटर में 82.12 कुंतल, तोरई में 168.02 कुंतल, मूंग में 9.10 कुंतल तथा टमाटर में 350.68 कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार प्राप्त हुई तथा इस प्राकृतिक विधि से प्राप्त उपज रासायनिक उर्वरकों की पैदावार के लगभग बराबर रही।

उन्होंने बताया कि यह अध्ययन लगातार 3 साल तक किया जाएगा तथा 3 साल के परिणाम के आधार पर सब्जी आधारित फसल पद्धतियों के लिए प्राकृतिक खेती का आर्थिक विश्लेषण के उपरांत स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार मॉडल विकसित होगा। डॉ राजीव ने कहा कि प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए केंद्र सरकार की कैबिनेट ने 25 नवंबर को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत देश में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन को मंजूरी दी है जिसका लक्ष्य एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करना है।

रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक : हरिभाऊ

जयपुर। एजेंसी

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक है। सीता माई ने जो कठिनाई झेली वह जीवन पथ का आलोक है। उन्होंने रामायण और गीता को विश्व के प्राचीनतम ग्रंथ बताते हुए कहा कि यही भारत की संस्कृति और धर्म है। बागडे गुरुवार को अखिल भारतीय यादव महासभा 'अहीर' द्वारा 'भगवान श्री कृष्ण विचार एवं जनमानस' विषयक आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने यादव महासभा द्वारा श्री कृष्ण के सर्वधर्म सद्भाव की संस्कृति का सर्वत्र प्रसार करने का आह्वान किया। उन्होंने श्री कृष्ण के फल की इच्छा के बगैर कर्म करने के गीता के संदेश से प्रेरणा लेकर जीवन जीने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण कभी इतिहास नहीं हो सकते। वह जनमानस में गहरे से रचे-बसे हैं। श्री कृष्ण की बांसुरी और राधा से उसकी डाह की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण को युगप्रवर्तक बताते हुए कहा कि जहां अन्याय-अत्याचार हुआ उसका विरोध किया।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अनकैप्ड ऑलराउंडर की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री

कैनबरा। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट के लिए टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। वेबस्टर को फिटनेस से जूझ रहे मिचेल मार्श के कवर के रूप में शामिल किया है। मार्श की तरह वेबस्टर भी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार पर्थ में ऑस्ट्रेलिया की 295 रन से हार के बाद मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। हालांकि कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिया था कि वे एडिलेड में 13 सदस्यीय टीम के साथ ही जाएंगे, लेकिन खिलाड़ी की फिटनेस की चिंता को लेकर वेबस्टर को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय खिलाड़ी वेबस्टर का पिछले 18 महीनों में शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन रहा है। इसके अलावा हाल ही में इंडिया-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से वेबस्टर ने कहा कि मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ (ऑस्ट्रेलिया ए के लिए) कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। ए टीम के लिए खेलना टेस्ट से एक कदम नीचे है इसलिए यह आपको अच्छा महसूस कराता है। एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) खेल के अंत में 'बेल्स' (चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली) से कॉल प्राप्त करना वास्तव में गर्व का क्षण था और मैं टीम में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि पहला टेस्ट मैच जीतकर भारतीय टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा।

दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

ईस्ट बंगाल एफसी का नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से मुकाबला आज

हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे: ऑस्कर

- चार जीत और तीन ड्रॉ की बदौलत नौ मैचों में 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है

कोलकाता। एजेंसी

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन में अपनी पहली जीत ढूंढ रही ईस्ट बंगाल एफसी का शुक्रवार को फॉर्म में चल रही नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से मुकाबला है। यह मैच कोलकाता के युवा भारती क्रीड़ांगन में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। चार जीत और तीन ड्रॉ की बदौलत नौ मैचों में 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

टीम शीर्ष पर मौजूद बेंगलुरु एफसी (20) से पांच अंक पीछे हैं। ईस्ट बंगाल एफसी के सात मैचों में छह हार और एक ड्रा के साथ एक अंक है और अंक तालिका में सबसे नीचे है।

टीम सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश में है। मैच से पहले ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने आईएसएल की ओर से जारी बयान में कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मुख्य कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने कहा कि हर खेल एक अलग कहानी है। हमें स्कोर करने के लिए बड़े मौके बनाने होंगे और साथ ही उनके लिए ऐसा करना उतना ही मुश्किल बनाना होगा। यही हमारा उद्देश्य है, क्योंकि हम जानते हैं कि हम स्कोर कर सकते हैं और यह (हमारे गेमप्ले का) एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संक्षिप्त खबरें

अंशकालिक खेल प्रशिक्षकों के रिक्त पदों पर आनलाइन आवेदन 26 नवंबर से दो दिसम्बर तक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न खेलों- एथलेटिक्स, तीरन्दाजी, नेटबाल, टेबुल-टेनिस, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, बैडमिन्टन, ताइक्वाण्डो, वुशू, तैराकी, लॉन टेनिस, बास्केटबाल, वॉलीबाल, भारोत्तोलन, हॉकी, जूडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, स्क्वैश, शूटिंग, कुश्ती, साफ्ट टेनिस, क्याकिंग एण्ड केनोइंग, रोइंग, कराटे खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के 107 रिक्तों पदों को जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म के माध्यम से भरकर चयन सम्बन्धी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इस संबंध में गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे प्रदेश में लगभग 450 पद रिक्त थे जिन्हें सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से भरा जा रहा है। सभी जनपदों से आवेदन पत्र भरने को कहा गया है। अभी लगभग 107 पद खाली हैं। उसे भरने की प्रक्रिया चल रही है। ये प्रक्रिया लगातार चलती रहती है क्योंकि यह पद संविदा पर होते हैं। लोग सरकारी नौकरी मिलने के बाद छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे में दोबारा उसी पद पर लोगों की नियुक्ति की जाती है। यह प्रक्रिया पूरे प्रदेश में लगातार चलती रहती है।

यामल ने जीता गोल्डन बॉय पुरस्कार

रोम। बार्सिलोना के फॉरवर्ड लैमिन यामल ने वर्ष 2024 का गोल्डन बॉय तथा महिला वर्ग में मिडफील्डर विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता है। ट्यूरिन स्थित मीडिया आउटलेट टुट्टोस्पोर्ट ने बुधवार को इन पुरस्कारों की घोषणा की। वर्ष 2003 से शुरू हुए गोल्डन बॉय पुरस्कार से यूरोप में 21 वर्ष या उससे कम आयु के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को पुरस्कृत किया जाता है। इससे पहले बार्सा फेमिनी स्टार विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता। अन्य पिछले विजेताओं में एरलिंग हालैंड , किलियन म्बाप्पे और लियोनेल मेस्सी शामिल हैं। यामन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंडर-21 पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले सबसे कम उम्र खिलाड़ी हैं। यामल ने इस सत्र में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा है तथा ला लीगा में शीर्ष पर चल रही टीम बार्सिलोना के लिए 12 लीग मैचों में पांच गोल दागे हैं। बार्सिलोना की 18 वर्षीय आक्रामक मिडफील्डर विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों से मिले

कैनबरा। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम अभी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को भारतीय टीम से मुलाकात करके खिलाड़ियों से बात की और उनके साथ सेल्फी भी ली।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री बड़ी गर्मजोशी से भारतीय टीम के खिलाड़ियों से मिले। कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के साथियों से उनका परिचय कराया। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। सीरीज का दूसरा टेस्ट (डे-नाइट) 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा।

मैच से पहले कैनबरा में प्राइम मिनिस्टर इलेवन और भारतीय टीम के बीच दो दिवसीय प्रैक्टिस मैच खेला जाना है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारतीय टीम ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था। अब दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। यह डे नाइट टेस्ट मैच होगा। मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की फोटो प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से शेयर की गई हैं।

भारतीय सेना ने इनडोर खेलों का किया आयोजन

डोडा। भारतीय सेना ने डोडा के स्थानीय निवासियों की मांग पर ध्यान देते हुए और खेल भावना की संस्कृति को बढ़ावा देने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ युवाओं के लिए इनडोर खेलों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। युवाओं में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करना और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस आयोजन में विभिन्न गांवों के युवाओं ने हिस्सा लिया जिसमें कुल 30 प्रतिभागी शामिल हुए। खेलों में युवाओं और स्थानीय निवासियों दोनों ने गहरी रुचि दिखाई जिससे सभी उपस्थित लोगों के बीच सौहार्द की भावना पैदा हुई। भारतीय सेना ने प्रतिभागियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और स्थानीय निवासियों के साथ-साथ टीम के सदस्यों ने भी इस आयोजन के लिए सेना का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

पंजाब में फुटबॉल को बढ़वा देने मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू

चंडीगढ़। एजेंसी

अब पंजाब से भारतीय फुटबॉल को प्रतिभाएं मिलेंगी। अब शेरगिल सॉकर अकादमी के सहयोग से पंजाब के फगवाड़ा में मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू हुई है। मिनर्वा एकेडमी में मिलने वाली अत्याधुनिक सुविधा से जमीनी स्तर पर फुटबॉल का विकास होगाहै। मिनर्वा एकेडमी में प्रतिभाओं को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक्सपर्ट कोचिंग स्टाफ और उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाएंगे जिससे फुटबॉल की एक नई पीढ़ी निकलेगी। अकादमी के प्रमुख रंजीत बजाज ने कहा,ह्लमिनर्वा एकेडमी एफसी जमीनी स्तर से युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उत्कृष्टता केंद्र पंजाब के युवाओं को शीर्ष-गुणवत्ता वाली कोचिंग और सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करके सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि उनके पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उपकरण हों।

आदर्श यादव ने की शानदार बल्लेबाजी, ग्लोबल स्टार्स ने जीता मैच

लखनऊ। एजेंसी

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में ग्लोबल स्टार्स ने केवाई स्पोर्ट्स क्लब को हरा दिया। इस मैच में आदर्श यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में आर्यावर्त ने ब्लेज विलो को छह विकेट से मात दे दी। केवाई स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाये। अपनी टीम में सबसे अधिक जितेन्द्र गौतम ने 61 रन का योगदान दिया। वहीं आलोक सिंह ने 25 रन बनाये, जबकि सलामी बल्लेबाज आदर्श यादव ने 22 रन का योगदान दिया। ग्लोबल स्टार्स ने तीन विकेट खोकर 204 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अमर चंद्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौकों की मदद से 41 बाल पर 59 रन बनाये। वहीं आदर्श ने अपनी टीम में सर्वाधिक चार चौकों और चार छक्के की मदद से 77 बाल पर 76 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में ब्लेज विलो ने पहल बल्लेबाजी करते हुए 206 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आर्यमन पांडेय ने 15 रन का योगदान दिया। वहीं वात्सल्य ने अपनी टीम में सर्वाधिक 66 रन बनाये। आर्यन ने 44 रन का योगदान दिया। वहीं आर्यावर्त क्रिकेट एकेडमी ने चार विकेट खोकर 208 रन बना लिएऔर मैच को छह विकेट से जीत लिया।

नेशनल रोइंग चैंपियनिशप के लिए उप्र की टीम घोषित

बुलंदशहर के अमित और गाजीपुर की दीक्षा बनीं कप्तान

लखनऊ। एजेंसी

44वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप और 7वीं इंटर स्टेट रोइंग चैंपियनशिप के लिए यूपी की जूनियर व यूथ टीम का चयन कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश की यूथ टीम में बालकों में बुलंदशहर के अमित कुमार और बालिकाओं में गाजीपुर की दीक्षा कुशवाहा कप्तान बनाए गए है।

वहीं जूनियर टीम के कप्तान मेरठ के अभिषेक गिरि बनाए गए है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की बालक टीम के कोच कुदरत अली व मैनेजर डा.सिद्धार्थ शुक्ला और बालिका टीम कोच पुनीत बालियान व मैनेजर निखहत अली को बनाया गया है।उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि जूनियर नेशनल व इंटर स्टेट रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ पुणे के आर्मी रोइंग नोड में आगामी एक से 6 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। चयनित टीम गोरखपुर से पुणे के लिए रवाना हो गई। उत्तर प्रदेश जूनियर रोइंग टीम में बालक वर्ग में अभिषेक गिरि-कप्तान, अनिकेत गिरि (दोनों मेरठ), अंकित चौधरी व रितेश चौधरी (दोनों गोरखपुर),

बालिका : अंजनी कुशवाहा (गाजीपुर) शामिल हैं।

वहीं यूथ रोइंग टीम में **बालक :** अमित कुमार-कप्तान (बुलंदशहर), गौरव, प्रिंस यादव (दोनों गोरखपुर), प्रद्युम्न सिंह (आगरा),

बालिका : दीक्षा कुशवाहा-कप्तान (गाजीपुर), रूपल यादव (प्रयागराज), अभया भारती (गोरखपुर) शामिल हैं।

इस अवसर पर गोरखपुर मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर भी मौजूद थे। टीम को रवानगी से पूर्व उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डा.दिनेश शर्मा (सांसद), चेयरमैन रेणुका मिश्रा (आईपीएस), अध्यक्ष रानी पक्षालिका सिंह (एमएलए), संरक्षक पवन सिंह चौहान (एमएलसी) व आईपीएस डॉ. आरपी सिंह, आईपीएस राजीव त्रिवेदी, आईपीएस गोपाल गुप्ता सेवानिवृत्त, आईपीएस बिनोद कुमार सिंह ने बधाई दी।

व्यापार

पीयूष गोयल ने सीआईआई के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस मामलों के पोर्टल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को भारत के कारोबारी माहौल के बारे में जानकारी के साथ-साथ सुधार के लिए सुझाव प्राप्त करने और उन पर नजर रखने के लिए सीआईआई ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) और विनियामक मामलों के पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिये सरकार और सीआईआई दोनों की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर प्रमुख पहलों की स्थिति और अहम जानकारी मिल सकेगी। उपयोगकर्ता पारदर्शिता, जवाबदेही, सार्थक और चिंताओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करते हुए वास्तविक समय के आधार पर प्रगति और प्रस्तुतियों को ट्रैक कर सकते हैं।

इस पोर्टल का शुभारंभ आज नई दिल्ली में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में किया गया। इस अवसर पर गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद में विश्वास करती है और व्यवसायों तथा नागरिकों के जीवन को बेहतर और आसान बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने उद्योग और राज्य सरकारों के प्रतिभागियों से काम करने के नए विचारों के प्रति खुले रहने की अपील की, उन्होंने कहा कि मानसिकता में बदलाव और विचारों को स्वीकार करने के लिए तैयार रहने से व्यवसायों पर कई गुना प्रभाव पड़ता है। मंत्री ने दोहराया कि निवेशकों की पहचान करने और उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार अनुमोदन के लिए आवेदन करने के लिए सरकार की राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस) मार्गदर्शिका को उद्योग से इनपुट की आवश्यकता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। चुनिंदा टेक शेयरों में आई गिरावट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,998.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 112.52 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,061.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,770.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,274.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,528 अंक लुढ़का

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को लेकर दिए गए बयान के कारण दुनिया भर के अलग-अलग स्टॉक मार्केट की तरह ही घरेलू शेयर बाजार भी आज एक बार फिर बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरूआत सपाट स्तर पर हुई थी।

शुरूआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार ने लिवाली के सपोर्ट से तेजी दिखाने की कोशिश भी की, लेकिन ये कोशिश अधिक सफल नहीं हो सकी। पहले घंटे के कारोबार के बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार लगातार गिरता चला गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.48 प्रतिशत और निफ्टी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी, बैंकिंग, एफएमसीजी और एनर्जी सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस और मीडिया सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.40 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने करी प्रभावी कानूनी कार्रवाई

सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को हटाए

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) 28 नवम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरणद्वाराजोन-पीआरन-साउथ में हीरापथ से वंदेमातरम्-रोड़ को जोड़ने वाली 100 फीट सेक्टर रोड़ सीमा में आ रहे मकाननुमा ढ़ांचे को ध्वस्त कर रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त एवं ज्योति विहार विस्तार की सीमा से लगते हुये 100 फीट सेक्टर रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त, हनुमंत विहार तथा कीर्ति सागर एफ ब्लॉक के बीच 40 फीटरोड़सीमाकोकब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। साथ ही ग्राम मानपुर देवरी उर्फ गोल्यावास में निमड़ी वाले बालाजी के पास सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित हीरापथ से वंदेमातरम्-रोड़ को जोडने वाली 100 फीट रोड़ सीमा में आ रहे उत्तम नगर भूखण्ड संख्या 49 के करीब 24×32फीट में मकाननुमा ढ़ांचे का निर्माण कर किये हुये कब्जें-अतिक्रमण को सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर जोन-पी.

आर.एन.(साउथ) के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया

जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ज्योति विहार विस्तार की सीमा से लगते हुये 100 फीट सेक्टर रोड़ सीमा पर एक तरफ करीब 30×5 में चबूतरा व दूसरी तरफ 12.5 फीट चौड़ाई तथा 50 फीट लम्बाई में सीमेन्ट के ब्लॉक की दीवार बनाकरकब्जा-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों के संबंध में अतिक्रमणकर्ताओं को अतिक्रमण हटाने हेतु पाबंद कि यागयापरन्तुअतिक्रमणकर्ताओं द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांकः 28.11.2024 को जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।जेडीए द्वारा जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित हनुमंत विहार तथा कीर्ति सागर एफ ब्लॉक के बीच 40 फीट रोड़ सीमा पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से 4×4 फीट में चबुतरा बनाकर रास्ता अवरूद्ध कर रखा था, जिससे स्थानीय लोगों को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। किये गये अतिक्रमण के संबंध में अतिक्रमणकर्ता को अतिक्रमण हटाने हेतु पाबंद किया गया परन्तु अतिक्रमणकर्ता द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांकः 28.11.2024 को जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मानपुर देवरी उर्फ गोल्यावास में स्थित निमड़ी वाले बालाजी के पास, जिला जयपुर के खसरा नं. 105 व 538 में जेडीए स्वामित्व सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर व तारबंदी कर अवैध कब्जा-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-पी.आर.एन.(साउथ) तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलास चन्द्र बिष्णोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल cce.jda@rajasthan.gov.in &enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/ कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की षिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

संक्षिप्त समाचार

परिवार कल्याण साधनों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 28 नवंबर। बुधवार को होटल कॉसमॉस राज प्लाजा में परिवार कल्याण साधनों पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिले के एएनएम को गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा एवं ओरल पिल्स गोली के विषय मे प्रशिक्षण दिया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिवार कल्याण कार्यक्रम की महत्ता पर जानकारी देते हुए अपेक्षित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य को करने हेतु निर्देशित किया गया। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) डॉक्टर प्रवीण झरवाल की उपस्थिती मे प्रतिभागियों को समस्त अंतराल विधियों एवं स्थाई साधनों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई पास डेवलपमेंट फाउंडेशन की तरफ से वी.सी.ए.टी.के माध्यम से डॉक्टर पूजा गुप्ता, रॉक्सी शर्मा, आशीष शर्मा द्वारा तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। प्रशिक्षण में जीके के 27 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के एएनएम उपस्थित रहे ।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला स्तरीय समाधान समिति की बैठक

- **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, सक्षम जयपुर अभियान सहित अन्य बिंदुओं पर हुई चर्चा**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 नवंबर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला टास्क फोर्स/जिला स्तरीय समाधान समिति की बैठक का आयोजन जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, सक्षम जयपुर अभियान, जिला स्तरीय महिला समाधान समिति, आई.एम शक्ति केन्द्र योजना, वन स्टॉप सेन्टर, महिला हेल्पलाईन 181, डायन योजना, उड़ान योजना एवं राज्य महिला नीति 2021 एवं उडान योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई जिला कलक्टर ने बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को लिंगानुपात की निरन्तर निगरानी करने के एवं मुखबिर योजनान्तर्गत अधिक से अधिक जागरुकता करने एवं डिकॉय ऑपरेशन के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जयपुर को ड्रॉपआउट बालिकाओं के लिए विशेष शिक्षा अभियान चलाने एवं प्रत्येक विद्यालय में छात्र एवं छात्राओं हेतु पक्के शौचालयों पृथक-पृथक उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश मूंड, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ राजेश डोगीवाल, पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान का शुभारंभ

आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पूरे देश में प्रकृति परीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है, जिसका नाम देश का प्रकृति परीक्षण है: संजीव शर्मा कुलपति

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 28 नवम्बर `भारतवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और बेहतरीन निरोगी जीवनशैली के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ''ान पर आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पूरे देश में प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर में कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने अपना प्रकृति परीक्षण करवा कर देश का प्रकृति परीक्षण अभियान का शुभारंभ किया। कुलपति प्रोफ-`सर संजीव शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ''ान पर और आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव की प्रेरणा से आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पूरे देश में प्रकृति परीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है, जिसका नाम देश का प्रकृति परीक्षण है। इस अभियान के अंतर्गत हमारे संस्थान में सभी चिकित्सकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अस्पताल में आने वाले रोगियों और उनके परिजनों का प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। सभी देशवासी अपना प्रकृति परीक्षण करवा कर अपनी प्रकृति को जाने जिससे हमें जानकारी होगी कि हमें

कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती है, हम किस तरह की चिकित्सा ले सकते हैं या किन-किन बीमारियों से हम अपना बचाव कर सकते हैं। यह प्रकृति परीक्षण हमारे लिए बहुत आवश्यक है साथ ही हमारी चिकित्सा और देश के लिए भी बहुत आवश्यक है। देश में जो बीमारियां बढ़ रही है उनको हम समय पर कम करने का प्रयास कर सके।

शरीर क्रिया विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. छाजू राम यादव ने बताया की हमारे शरीर में वात, पित्त और कफ के संतुलन से ही हम स्वस्थ रहते हैं और इनके कारण होने वाली बीमारियों से हम सुरक्षित रहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति के शरीर की प्रकृति अलग-अलग होती है जिसके कारण उनमें वात, पित्त ओर कफ के संतुलन नही होने के कारण कई रोग होते हैं। प्रकृति परीक्षण में आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन माध्यम से तैयार मोबाइल एप्प पर आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा उनसे शारीरिक और जीवन शैली से संबंधित जानकारी लेकर उनकी प्रकृति के विषय में जानकारी दी जाती है। जिससे उन्हें समय-समय पर आयुष मंत्रालय द्वारा जानकारी मिलती रहेगी है कि उन्हें अपने भोजन में ऋतु के अनुसार क्या क्या बदलाव करने के साथ ही जीवन शैली की आदतों में भी क्या-क्या सुधार करना है जिससे की वह स्वस्थ रह सके और होने वाली बीमारियों से अपना बचाव कर सके। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा रोगियों और उनके परिजनों के साथ जयपुर शहर और ग्रामीण इलाकों में भी आमजन का प्रकृति परीक्षण किया जाएगा। शरीर क्रिया विभाग में कार्यरत डॉ भानु प्रताप सिंह सहायक आचार्य को इस अभियान के लिये संस्थान में नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जयपुर हेरिटेज निगम भिक्षावृति कर रहे 60 से अधिक लोगों का कराया रिहैबिलिटेशन

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। हेरिटेज निगम ने सड़क पर भिक्षावृत्ति कर जीवनयापन कर रहे 60 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर रिहिबिलेशन सेंटर में भिजवाया है। इस संबंध में हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर हेरिटेज निगम की ओर से सड़क पर भिक्षावृत्ति करने वालों को रोहिबिलिटेट करने के लिए 24 नवंबर से सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर अभियान चलाया जा रहा है, जिसके क्रम में

सड़क पार भिक्षा मांग रहे 60 से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया। हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने सभी शहरवासियों से अपील भी की सड़क पर भिक्षा मांगने वाले लोगों को भिक्षा नहीं देवें। उन्हें सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित भिक्षावृति पुनर्वास रिहैबिलिटेशन सेंटर पर पहुंचाए, जिससे कि वे अपना जीवन स्वाभिमान से जी सकें। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि अभियान में सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान, मेरी पहल संस्था, सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान और मानव सेवा संस्था का सहयोग रहा।

'ऑपरेशन कवच 4.0' के तहत कार्यालय, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी (प्रथम) की बड़ी कार्रवाई

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर कार्रवाई को दिया अंजाम

- **82 से अधिक वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई, 7 लाख से अधिक का राजस्व वसूला**

चमकता राजस्थान।

जयपुर! (खलील कुरैशी) 28 नवंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर कार्यालय प्रादेशिक परिवहन अधिकारी (प्रथम) की टीम ने ऑपरेशन कवच 4.0 के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी

(प्रथम) राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि प्रवर्तन दलों ने विशेष सघन अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए कुल 82 चालान बनाएं एवं चालान राशि के तौर पर 7 लाख से अधिक का राजस्व वसूल किया, साथ ही 1 लाख 25 हजार की राशि सीएफ के रूप में प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि सघन जांच अभियान ऑपरेशन कवच के तहत ओवरलोड, ओवर क्राउड, ओवर प्रोजेक्टेड वाहनों के साथ-साथ रश ड्राइविंग, ड्राइविंग के समय मोबाइल का उपयोग, बिना हेलमेट, बिना फिटनेस, बिना पीयूसी जैसे वाहन चालको के खिलाफ नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। वहीं, नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस एवं पंजीयन निलम्बन की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929